राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

फरीदाबाद की आवाज़

Email : faridabadkiawaz@gmail.com

RNI No. -DELHIN/2017/76338

वर्ष : 07 अंक : 08 दिल्ली से प्रकाशित सोमवार 22-28 जनवरी 2024

Website : faridabadkiawaz.com

मूल्य : 5/- रु. पृष्ठ : 8

देश की आवाज़

प्रभु श्रीराम का अयोध्याधाम सज-धजकर तैयार, आज होगी प्राण प्रतिष्ठा

आज 114 कलशों के औषधीय जल से कराया जाएगा मूर्ति को स्नान, 22 जनवरी की तिथि बेहद मंगलकारी, हर पल होगा भावुक करने वाला

अयोध्याधाम, 21 जनवरी (हि.स.)। प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्याधाम में खुशियों के दीप जग-मग कर रहे हैं। चारों दिशा अखंड रामधुन के जयघोष से गूंज रही हैं। भारतवर्ष के लिए 22 जनवरी का तिथि बेहद मंगलकारी और भावुक कर देने वाली होगी। सोमवार को यहां नवनिर्मित श्रीराम मंदिर में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। इससे पहले पांच दिन तक वैदिक अनुष्ठान किए गए। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने कहा कि आज (रविवार)114 कलशों के विभिन्न औषधीय जल से मूर्ति को स्नान कराया जाएगा। भगवान श्रीराम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए सात दिवसीय अनुष्ठान चल रहा है। इस क्रम में 20 जनवरी को पुष्पाधिवास, शर्कराधिवास और फलाधिवास किए गए। साथ ही दैनिक पूजा-अर्चना, हवन आदि के साथ चीनी और फलों से भी अनुष्ठान हुआ। दिव्य और भव्य मंदिर प्रांगण में 81 कलश स्थापित कर

भारतवर्ष के लिए 22 जनवरी का तिथि बेहद मंगलकारी और भावुक कर देने वाली होगी। सोमवार को यहां नवनिर्मित श्रीराम मंदिर में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। इससे पहले पांच दिन तक वैदिक अनुष्ठान किए गए। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने कहा कि आज (रविवार)114 कलशों के विभिन्न औषधीय जल से मूर्ति को स्नान कराया जाएगा।

पूजा-अर्चना की गई। शाम को पूजा और आरती भी हुई। शुक्रवार को मैसूरु के प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा बनाई गई श्री रामलला की मूर्ति को मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कराया गया। उल्लेखनीय है कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में श्रीरामलला के समक्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 140 करोड़ भारतीयों की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करेंगे। अयोध्याधाम में लघु भारत के दर्शन होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि श्रीरामजन्मभूमि मंदिर की स्थापना भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आध्यात्मिक अनुष्ठान है। यह राष्ट्र मंदिर है। श्रीरामलला विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा राष्ट्रीय गौरव का ऐतिहासिक अवसर है। रामकृपा से अब कभी कोई भी अयोध्या की पारंपरिक परिक्रमा को बाधित नहीं कर सकेगा। अयोध्या की गलियों में गोलियां नहीं चलेंगी। सरयूजी रक्त रंजित नहीं होंगी। अयोध्या में कर्फ्यू का कहर नहीं होगा। यहां सिर्फ उत्सव होगा। रामनाम संकीर्तन गुंजायमान होगा। अवधपुरी में रामलला का विराजना भारत में रामराज्य की स्थापना की उद्घोषणा भी है।

सम्पादकीय

क्या 'राम मंदिर' सियासत है ?

दिनेश शर्मा

अयोध्या में प्रभु राम का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह विशुद्ध रूप से 'धार्मिक' है। राम मंदिर से करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी है, लेकिन इस समारोह से भाजपा को 'राजनीतिक लाभ' होना निश्चित है। धार्मिक और राजनीतिक के अंतर को समझना अनिवार्य है। एक सांस्कृतिक, आध्यात्मिक आयोजन को 'राजनीतिक' करार देना अपरिपक्वता है। महज कोसते रहने से कांग्रेस को कुछ भी हासिल नहीं होगा। महात्मा गांधी ने 'राम राज्य', 'हिंद स्वराज' को व्यापक स्तर पर परिभाषित किया था, लेकिन वह भारत को 'हिंदू राष्ट्र' बनाने के खिलाफ थे। उनके दर्शन, उनकी आस्था और उनके राष्ट्रवाद को भारत ने गहराई से समझा और स्वीकार किया, नतीजतन वह 'महात्मा' बन पाए। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद राहुल गांधी को यह आत्मसात करते हुए अयोध्या पर अपने विचार देने चाहिए। कांग्रेस की राजनीति और धार्मिकता को पुनः परिभाषित करना चाहिए। भाजपा की तरह बनना अथवा भाजपा के राष्ट्रीय, आस्थामयी मुद्दे की सपाट आलोचना करना भाजपा को ही सशक्त करना होगा। राहुल गांधी ने इस बार धर्म को जिस तरह परिभाषित किया है और राम मंदिर को आरएसएस-भाजपा का 'राजनीतिक कार्यक्रम' करार दिया है, उसने कांग्रेस को ही उघाड़ कर रख दिया है। शायद राहुल को जानकारी नहीं होगी अथवा उनके सलाहकार भी अनाड़ी होंगे कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अपनी हत्या से कुछ दिन पहले कहा था कि यदि कोई बाबरी मस्जिद को छूने की कोशिश करेगा, तो पहले उसे उन्हें मारना होगा। यह भी महत्त्वपूर्ण प्रसंग है कि राजीव गांधी ने 1989 में कांग्रेस का चुनाव-प्रचार फैजाबाद (तब अयोध्या का नाम) से शुरू किया था। कांग्रेस अध्यक्ष रहीं सोनिया गांधी ने 1998 से 2004 के बीच कई बार बयान दिए थे कि बाबरी मस्जिद का विध्वंस नहीं होना चाहिए था। यदि गांधी परिवार का कोई सदस्य सक्रिय राजनीति में होता, तो मस्जिद को ढहाने नहीं देता। सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि जब भी बाबरी मस्जिद की याद आती है, तो आंखों में आंसू आ जाते हैं। बहरहाल अब मस्जिद बनाम मंदिर के ऐसे बयान बेमानी हैं, क्योंकि संविधान पीठ के निर्णय के बाद भव्य राम मंदिर बन रहा है, लेकिन राहुल गांधी ने जिस तरह धर्म की व्याख्या की है और प्रभु राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा को महज एक राजनीतिक कार्यक्रम करार दिया है, वह उनका दोगलापन है। इसका भी एक तार्किक आधार है। राहुल गांधी बीते दिनों जब केदारनाथ धाम की यात्रा पर गए थे, तो उन्होंने ऐसा वस्त्र धारण किया था, जिस पर ओउम लिखा हुआ था। राहुल गांधी गुजरात चुनाव के दौरान 27 मंदिरों में गए, पूजा-पाठ किए, रुद्राक्ष धारण किए, मस्तक पर चंदन और अन्य लेप लगाए, तो उसे क्या कहेंगे? वह धर्म था अथवा धर्म के जरिए राजनीति करने का व्यवहार था! मध्यप्रदेश चुनाव के दौरान वह कमलनाथ के साथ एक मंदिर से बाहर आए थे, तो पूरी तरह धार्मिक लिबास और श्रृंगार में थे।

हमें राज्य की संस्कृति और परंपराओं पर गर्व है

पीएम मोदी ने मणिपुर वासियों को उनके राज्य स्थापना-दिवस पर दी बधाई

नई दिल्ली। मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा को अलग राज्य बने पांच दशक हो गए हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 के तहत मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा को 21 जनवरी 1972 को अलग राज्य का दर्जा दिया गया था। मणिपुर स्थापना दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुभकामनाएं दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा किया। पीएम मोदी ने लिखा, राज्य के लोगों को मेरी शुभकामनाएं। मणिपुर ने भारत की प्रगति में एक मजबूत योगदान दिया है। हमें राज्य की संस्कृति और परंपराओं पर गर्व है। मैं मणिपुर के निरंतर विकास के लिए प्रार्थना करता हूं।

'त्रिपुरा के लोगों की समृद्धि की कामना करता हूं'

मोदी ने त्रिपुरा के लोगों को उनके राज्य स्थापना दिवस पर बधाई दी और कामना की कि यह दिन राज्य के अद्वितीय इतिहास और समृद्ध विरासत का जश्न मनाए। उन्होंने कहा, त्रिपुरा के लोगों की समृद्धि और सद्भाव की कामना करता हूं। एक अन्य पोस्ट में मोदी ने कहा, मेघालय के लोगों को राज्यत्व दिवस की शुभकामनाएं! आज मेघालय की अविश्वसनीय संस्कृति और वहां के लोगों की उपलब्धियों का जश्न मनाने का अवसर है। प्रधानमंत्री ने कहा, आने वाले समय में मेघालय प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएगा।

राज्य में उग्रवादियों का बढ़ रहा आतंक

पिछले कुछ दिनों से राज्य में उग्रवादियों के उपद्रव लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इन हिसंक घटनाओं पर चिंता जताते हुए राज्य के शिक्षा मंत्री बसंत कुमार सिंह ने शनिवार को कहा कि सरकार उग्रवादियों को माकूल जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बता दें कि पिछले कुछ दिनों में उग्रवादियों ने हमले करते हुए सात लोगों की हत्या कर दी। इन हमलों में दो मणिपुर पुलिस कमांडो, चार ग्रामीण और एक ग्राम रक्षा स्वयंसेवक की मौत हो गई। बता दें कि राज्य में संदिग्ध उग्रवादियों ने निंगथौखोंग खा खुनौ गांव में घुसकर चार लोगों की हत्या कर दी।

असम के स्कूल-कॉलेज में छुट्टी, होटल में मिलेगा नॉन वेज खाना

प्राण प्रतिष्ठा के दिन बंद रहेंगी शराब की दुकानें

नई दिल्ली। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की धूम पूरे देश में है। हर कोई इस मौके का साक्षी बनना चाहता है। इसे देखते हुए 22 जनवरी को कई राज्यों में आधे दिन की छुट्टी का एलान किया गया है। इसी कड़ी में असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने भी घोषणा की है कि 22 जनवरी को सभी सरकारी स्कूल और कॉलेज की छुट्टी रहेगी।

स्कूल-कॉलेज भी हेंगे बंद

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने मीडिया से कहा, ÷कल सभी स्कूल और कॉलेज पूरे दिन के लिए बंद रहेंगे। साथ ही, मैं सभी प्राइवेट शैक्षणिक संस्थाओं के लिए भी निवेदन करता हूं कि वे भी कल छुट्टी दे दें। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, उन्होंने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन असम के लोग और विधायक सभी राज्य के विभिन्न मंदिरों, मस्जिदों और चर्च में सफाई अभियान चलाएंगे।

मांस-मछली के बाजार रहेंगे बंद-सीएम सरमा ने कहा, यह भारतीय सभ्यता की विजय है। मैं असम के लोगों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देता हूं। कल शाम 4 बजे तक मांस, मछली की दुकानें और बाजार बंद रहेंगे। कल सभी शराब की दुकानें भी बंद रहेंगी। होटलों में भी दोपहर दो बजे से पहले नॉन वेज खाना नहीं परोसा जाएगा। शाम चार बजे के बाद वे सभी अपना काम दोबारा शुरू कर सकते हैं।

कई राज्यों में रहेगी छुट्टी

सबसे पहले प्राण प्रतिष्ठा के दिन अवकाश की घोषणा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की थी। इसके बाद हरियाणा, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान समेत कई राज्यों में आधे दिन की छुट्टी का एलान किया गया। बीते दिन दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी 22 जनवरी को स्कूल-कॉलेजों की छुट्टी और सरकारी दफ्तरों में आधे दिन के अवकाश की घोषणा की है।

लाइव प्रसारण की पूरी व्यवस्था

पूरी अयोध्या नगरी भगवान राम के स्वागत के लिए पूरी तरह से तैयार है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए पूरे शहर को फूलों से खूबसूरत तरीके से सजाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्राण प्रतिष्ठा करेंगे और इस समारोह के लिए 7 हजार से अधिक मेहमानों को आमंत्रित किया गया है। लोगों के लिए इसके लाइव प्रसारण की भी व्यवस्था की गई है।

राहुल गांधी ने बयान दाखिल करने में की देरी तो भड़का कोर्ट, लगा दिया जुर्माना

नई दिल्ली। ठाणे की एक अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया है। दरअसल, पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का नाम जोड़ने पर संगठन के कार्यकर्ता ने मानहानि का मामला दायर किया था। इस केस में लिखित बयान दाखिल करने में देरी को लेकर कांग्रेस सांसद पर यह जुर्माना लगाया गया। लिखित बयान दाखिल करने में राहुल की ओर से 881 दिनों की देरी हुई थी और उनके अधिवक्ता नारायण अय्यर ने इस देरी के लिए माफी की अपील करते हुए आवेदन दायर किया था। नारायण अय्यर ने दलील दी कि उनके मुवक्किल दिल्ली में रहते हैं और सांसद होने के नाते उन्हें यात्राएं करनी पड़ती हैं। इस वजह से उनकी ओर से बयान दाखिल करने में देरी हुई। अय्यर ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि मजिस्ट्रेट अदालत ने माफी के अनुरोध को मान लिया और लिखित बयान स्वीकार कर लिया, लेकिन 500 रुपये का जुर्माना भी लगाया। मानहानि का मामला आरएसएस कार्यकर्ता विवेक चंपानेरकर ने दायर किया था। मामले में अगली सुनवाई 15 फरवरी को होगी।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा कर रहे राहुल गांधी

गौरतलब है कि राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो न्याय यात्रा कर रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को उनका काफिला अरुणाचल प्रदेश पहुंचा। यहां राहुल ने भाजपा पर जाति, पंथ और धर्म के नाम

पर देश को विभाजित करने का आरोप लगाया। दोईमुख के निवासियों के साथ बातचीत करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि बीजेपी लोगों को धर्म और भाषा के नाम पर आपस में लड़ने के लिए उकसाती है। उन्होंने दावा किया, भाजपा कुछ उद्योगपतियों के हित के लिए काम करती है, न कि उन लोगों के हित के लिए जो बेहद परेशानियों का सामना कर रहे हैं। कांग्रेस लोगों को एकजुट करने और उनकी बेहतरी के लिए काम करती है।

एक देश एक चुनाव के लिए हर 15 साल बाद 10 हजार करोड़ रुपये की नई ईवीएम की जरूरत - चुनाव आयोग

नई दिल्ली । यदि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होते हैं, तो चुनाव आयोग (ईसी) को नई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें खरीदने के लिए हर 15 साल बाद लगभग 10 हजार करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी।

चुनाव आयोग ने सरकार को सूचित किया है कि हर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का जीवन 15 साल होता है। इस तरह %एक देश एक चुनाव% की स्थिति में एक ईवीएम का उपयोग तीन चुनावों के लिए ही किया जा सकेगा।

ईसीआई का अनुमान है कि लोकसभा चुनाव के लिए लगभग 11.80 लाख मतदान केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता है। ईसीआई सूत्रों ने कहा कि अगर विधानसभा चुनाव भी एक साथ होते हैं तो उस स्थिति में अधिक ईवीएम की आवश्यकता होगी।

सूत्रों ने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर ईवीएम के कम से कम दो सेट की आवश्यकता होगी। एक लोकसभा के लिए और दूसरा विधानसभा के लिए।आयोग ने पिछले साल फरवरी में केंद्रीय कानून मंत्रालय को लिखे एक पत्र में कहा था कि नियंत्रण इकाइयों (सीयू), मतपत्र इकाइयों (बीयू) और मतदाता-सत्यापन योग्य पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) की बढ़ी हुई संख्या की भी आवश्यकता होगी।एक सवाल के जवाब में चुनाव आयोग ने कानून मंत्रालय को बताया कि 2023 में ईवीएम की अस्थायी लागत 7,900 रुपये प्रति बीयू; 9,800 रुपये प्रति सीयू; और 16 हजार रुपये प्रति यूनिट वीवीपैट थी।केंद्र सरकार ने एक राष्ट्र, एक चुनाव पर पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। संदर्भ की शर्तों के अनुसार, समिति को स्थायी आधार पर एक साथ चुनाव कराने के लिए उचित कानूनी और प्रशासनिक ढांचे के निर्माण, संविधान और संबंधित चुनाव कानूनों में आवश्यक संशोधनों की पहचान करने, आम मतदाता सूची तैयार करने, लॉजिस्टिक्स जैसे ईवीएम/वीवीपीएटी आदि के लिए सिफारिशें करने के लिए कहा गया है।हाल ही में उच्च स्तरीय समिति ने आम जनता से सुझाव आमंत्रित करने के लिए एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया है। समिति ने कहा कि देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए मौजूदा कानूनी प्रशासनिक ढांचे में उचित बदलाव करने के लिए यह पहल की गई है।-

उद्धव ठाकरे को स्पीड पोस्ट से मिला राम मंदिर का निमंत्रण, संजय राउत बोले- राम श्राप देंगे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण शनिवार को स्पीड पोस्ट के माध्यम से मिला है। इसको लेकर शिवसेना ने भाजपा पर हमला बोला है। डाक से निमंत्रण भेजने पर संजय राउत ने कहा कि भगवान राम उन्हें इसके लिए श्राप देंगे। शिवसेना सांसद ने कहा, आप मशहूर हस्तियों और फिल्मी सितारों को विशेष निमंत्रण दे रहे हैं। उनका राम जन्मभूमि से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन आप ठाकरे परिवार के साथ इस तरह का व्यवहार कर रहे हैं? ठाकरे ने राम जन्मभूमि आंदोलन में एक प्रमुख और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भगवान राम आपको माफ नहीं करेंगे। इसके लिए श्राप देंगे। आप भगवान राम से प्रार्थना कर रहे हैं और रावण की तरह सरकार चला रहे हैं।

संजय राउत ने सामना के संपादकीय के जरिए भाजपा पर हमला बोला है। आपको बता दें कि उद्धव ठाकरे ने पहले कहा था कि उन्हें राम मंदिर जाने के लिए निमंत्रण की आवश्यकता नहीं है। वह पहले भी कई बार वहां जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अभिषेक समारोह पीएम मोदी की जगह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा किया जाए। उन्होंने कहा, राम मंदिर मेरे पिता बालासाहेब ठाकरे का सपना था। यह खुशी का क्षण है कि मंदिर खोला जाएगा। हालांकि, उन्होंने इस बात की आलोचना की कि कैसे भाजपा ने इस आयोजन पर कब्जा कर लिया। 22 जनवरी को अपनी पार्टी की योजना की घोषणा करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा, मैं राम भक्त हूं, देश भक्त हूं, अंध भक्त नहीं। राम मंदिर का निर्माण मेरे पिता का सपना था। 22 जनवरी को जब पीएम मोदी राम मंदिर का उद्घाटन कर रहे होंगे उसी समय उद्धव नासिक के कालाराम मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे।

कांग्रेस, सीपीएम, तृणमूल, समाजवादी पार्टी के नेता इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि मंदिर खुलने के बाद वह अपने पूरे परिवार के साथ राम मंदिर के दर्शन करेंगे। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वह अपने परिवार के साथ उद्घाटन के बाद राम मंदिर जाएंगे।

भगवान राम का मंदिर बनना नए युग की शुरूआतः डीमरी

करनाल। विद्यालय की वंदना सभा में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । यह कार्यक्रम वीडियो क्लिप के माध्यम से शुरू किया गया जिसकी शुरुआत लगभग 17 जनवरी से ही हो गई थी। इस कार्यक्रम के तहत प्रतिदिन बच्चों को राम मंदिर इतिहास से संबंधित वीडियो क्लिप दिखाई गई तथा इतिहास से संबंधित प्रश्न भी पूछे गए । इसके साथ ही चौथी से 12वीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं द्वारा राम मंदिर इतिहास के विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आज दिनांक 20 जनवरी को वंदना सभा में विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा राम भजन तथा राम शबरी की लघु नाटिका को भी प्रस्तुत किया गया ।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य धनेश चंद्र डिमरी ने निबंध प्रतियोगिता का परिणाम घोषित कर प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य जी ने सभी को 22 जनवरी के अवसर पर होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की बधाई दी तथा यह दिन दीपावली की तरह मनाया जाए इसके लिए प्रोत्साहित किया ।सभी ने कार्यक्रम का आनंद उठाया विद्यालय का संपूर्ण वातावरण जय श्री राम के नारों से राममय हो गया।

एसडी बाल विद्या मंदिर में राम मंदिर इतिहास के विषय पर हुआ निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

करनाल। स्थानीय रामनगर स्थित एसडी बाल विद्या मंदिर की वंदना सभा में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । यह कार्यक्रम वीडियो क्लिप के माध्यम से शुरू किया गया जिसकी शुरुआत 17 जनवरी से ही हो गई थी। इस कार्यक्रम के तहत प्रतिदिन बच्चों को राम मंदिर इतिहास से संबंधित वीडियो क्लिप दिखाई गई तथा इतिहास से संबंधित प्रश्न भी पूछे गए। इसके साथ ही चौथी से 12वीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं द्वारा राम मंदिर इतिहास के विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आज वंदना सभा में विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा राम भजन तथा राम शबरी की लघु नाटिका को भी प्रस्तुत किया गया । कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य धनेश चंद्र डिमरी ने निबंध प्रतियोगिता का परिणाम घोषित कर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य धनेश डिमरी ने सभी को 22 जनवरी के अवसर पर होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की बधाई दी तथा यह दिन दीपावली की तरह मनाया जाए इसके लिए प्रोत्साहित किया । इस मौके पर सभी ने कार्यक्रम का आनंद उठाया। विद्यालय का संपूर्ण वातावरण जय श्रीराम के नारों से राममय हो गया।

हरियाणा की विशिष्ट पहचान के लिए अलग राजधानी और हाईकोर्ट मिलना जरूरी : एमएस चोपड़ा

चंडीगढ़। चंडीगढ़ प्रेस क्लब में पत्रकारों से रूबरू होकर हरियाणा की धरती पर अलग राजधानी बनाने के लिए हरियाणा- पंजाब- चंडीगढ़ काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष रणधीर सिंह बदरान और पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के ओएसडी रहे एमएस चौपड़ा ने हरियाणा बनाओ अभियान का आगाज कर दिया है। इनका कहना है कि आंध्र प्रदेश से अलग हो तेलंगाना, उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड व बिहार से झारखंड, पँजाब से हिमाचल को अलग होने पर हइकोर्ट व राजधानी मिली है तो हरियाणा को क्यों नही?

बदराण ने कहाकि यह एक तरह का सत्याग्रह आंदोलन होगा जो कि प्रदेशभर में सांकेतिक भूख हड़ताल के माध्यम से जहां जनता को एकजुट करने की कोशिश करेगा। वहीं, जन प्रतिनिधियों को इस मांग पर एकमत होने पर भी मजबूर करेगा। इस विषय पर बातचीत के दौरान बदरान ने बताया कि वह एक-एक कर हर जिले में बुद्धिजीवी वर्ग अधिवक्ताओं से बैठकें कर रहे हैं। जल्द ही वह प्रदेशभर में सभी सांसदों और विधायकों को भी मिलेंगे और पब्लिक ऑपिनियन करके सत्तापक्ष और विपक्ष को उनका स्टैंड क्लियर करने के लिए भी दबाव बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि हरियाणावासियों की सांस्कृतिक पहचान और धरोहर बचाने के लिए आज हमारी अलग राजधानी एक बड़ी जरूरत है। क्योंकि जो जो राज्य अलग बने हैं सभी ने अपनी अलग राजधानी बनाई है। हरियाणा बनाओ अभियान का लक्ष्य क्या हैः बदरान ने कहाकि हरियाणा को अलग बने 57 साल बीत जाने के बावजूद आज हमारी ना तो अलग राजधानी है, ना ही अलग हाईकोर्ट है और ना ही अलग विधानसभा है।

हरियाणा निवासियों को कई बार बड़ा अटपटा सा लगता है और बहुत सी समस्याएं हमारे लोगों को इस कारण उठानी पड़ती है। लगातार हम इसकी मांग भी करते रहे हैं। बदराण का कहना है कि लगभग कुल 6.5 लाख के करीब कैस हाईकोर्ट में पेंडिंग है। जिसमें पंजाब और हरियाणा का अनुपात हम 40-60 मानते हैं। हरियाणा में केस ज्यादा है इसलिए हरियाणा के 60 फ़ीसदी हाईकोर्ट में केस भी पेंडिंग होंगे।

अगर हम जिला लेवल पर केसिज की बात करें तो हरियाणा में 14 लाख और पंजाब में लगभग 8 लाख की पेंडेंसी है। अगर हरियाणा का अलग हाईकोर्ट बनेगा तो जनता को जल्द और सस्ता न्याय मिलेगा। इकट्ठे राजधानी से काफी परेशानियां भी होती हैं। अलग राजधानी मिलने के बाद जनता को अधिक सुविधाएं मिलेगी।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सांभली गांव में निकाली गई विशाल शोभा यात्रा

करनाल। अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में आज नीलोखेड़ी विधानसभा के गांव सांभली में शोभा यात्रा का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाईस चेयरमैन सुभाष चन्द्र ने श्री राम के जयकारों के साथ किया। 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी पूरे देशभर में की जा रही है। लोगों में इसको लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। राम मंदिर बनने की खुशी में देश भर में जगह-जगह पर उत्सव के रूप में कार्यक्रम किये जा रहे हैं। इसी को लेकर नीलोखेड़ी विधानसभा के गांव सांभली में आज राम मंदिर बनने की खुशी में एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई जिसमें हजारों ग्रामवासियों ने भाग लिया। सुभाष चन्द्र ने कहा कि सभी सनातन धर्म के लोगों को पिछले 500 वर्ष से जिस क्षण का इंतजार था वो इंतजार अब खत्म होने वाला है क्योंकि 22 जनवरी के दिन अयोध्या में श्री राम भगवान के भव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। उसी के चलते आज सांभली में भगवान श्री राम के सम्मान में और राम मंदिर बनने के चलते करनाल में एक शोभायात्रा निकाली गई है जिसमें सैंकड़ों लोगों ने शामिल होकर भगवान श्री राम का गुणगान किया है। उन्होंने बोलते हुए कहा कि 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की लाइव कवरेज भी की जाएगी जो सुबह 11 से 1बजे तक की जाएगी। मैं सभी से अपील करता हूं कि उसे भव्य नजारे को अपनी आंखों से जरूर देखें क्योंकि यह क्षण 500 वर्ष के बाद आ रहा है और पहली बार भगवान श्री राम का इतना भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ है। सुभाष चन्द्र ने कहा कि 22 तारीख के दिन भगवान श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के जश्न की तैयारी पूरी हो चुकी है जिसके चलते आज यहां पर शोभायात्रा निकाली है

गणतंत्र दिवस समारोह :26 जनवरी को राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय पानीपत और सीएम मनोहर लाल करनाल में करेंगे ध्वजारोहण

सिरसा में आएंगे डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, जगाधरी में गृह मंत्री अनिल विज करेंगे ध्वजारोहण

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में 26 जनवरी 2024 को पानीपत तथा मुख्यमंत्री मनोहर लाल करनाल में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे।

एक सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि 75 वें गणतंत्र दिवस समारोह में उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला सिरसा, विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता पंचकूला, गृह मंत्री अनिल विज जगाधरी, शिक्षा मंत्री कंवर पाल अम्बाला सिटी, परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा फरीदाबाद, बिजली मंत्री रणजीत सिंह जीन्द, कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल रोहतक, सहकारिता मंत्री डॉ बनवारी लाल हिसार, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ कमल गुप्ता गुरूग्राम, विकास एवं पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली फतेहाबाद और विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा कैथल में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे। उन्होंने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ओम प्रकाश यादव नारनौल, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री कमलेश ढांडा थानेसर, श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री अनूप धानक झज्जर और मुद्रण एवं लेखन सामग्री राज्य मंत्री संदीप सिंह पलवल में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे।

गणतंत्र दिवस समारोह में केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल नूंह, केन्द्रीय मंत्री राव इन्द्रजीत सिंह रेवाड़ी, सांसद कृष्ण लाल पंवार अम्बाला कैंट, नारायणगढ़ में राज्य सभा सांसद कार्तिकेय शर्मा, भिवानी में सांसद धर्मवीर सिंह, चरखी दादरी में लेफ्निेंट जनरल रिटायर्ड सांसद डीपी वत्स, हांसी में सांसद बृजेन्द्र सिंह, बहादुरगढ़ में सांसद अरविन्द्र शर्मा, सफीदों में सांसद रमेश चन्द्र कौशिक, इन्द्री में सांसद संजय भाटिया, ऐलनाबाद में सांसद सुनीता दुग्गल, सोनीपत में सांसद नायब सिंह सैनी, गोहाना में सांसद रामचन्द्र जांगडा ध्वजारोहण करेंगे।

विधायक सीमा त्रिखा बड़खल में, विधायक नरेन्द्र गुप्ता पटौदी करेंगे ध्वजारोहण

प्रवक्ता ने बताया कि विधायक असीम गोयल बराड़ा, विधायक घनश्याम सर्राफ सिवानी, सोमबीर सिंह सांगवान लोहारू, विधायक सीमा त्रिखा बड़खल, विधायक दीपक मंगला बल्लभगढ, विधायक विनोद भ्याणा रतिया, विधायक लक्ष्मण नापा टोहाना, विधायक संजय शर्मा मानेसर, विधायक गोपाल कांडा सोहना, विधायक नरेन्द्र गुप्ता पटौदी, विधायक भव्य बिश्नोई बादशाहपुर, विधायक रामकुमार गौतम बरवाला, विधायक जोगीराम सिहाग नारनौंद, विधायक सुधीर सिंगला बेरी, विधायक महिपाल ढांडा नरवाना, विधायक दुड़ाराम उचाना, विधायक अमरजीत ढांडा जुलाना में ध्वज फहराएंगें।

उन्होंने बताया कि विधायक रामनिवास गुहला, विधायक ईश्वर सिंह कलायत, विधायक रामकुमार कश्यप असंध, विधायक हरविन्द्र कल्याण घरोंडा, विधायक धर्मपाल गौंदर नीलोखेडी, विधायक रणधीर सिंह गोलन पेहोवा, विधायक सुभाष सुधा लाडवा, विधायक लक्ष्मण यादव महेंद्रगढ़, विधायक प्रवीन डागर कनीना, विधायक राकेश दोलताबाद नांगल चौधरी, विधायक जगदीश नययर, फिरोजपुर झिरका, विधायक राजेश नागर हथीन, विधायक प्रमोद विज समालखा, विधायक डा. कृष्ण लाल मिढा इसराना, विधायक अभय सिंह यादव बावल, विधायक सत्यप्रकाश जरावता कोसली, विधायक सीताराम यादव सांपला, विधायक मोहन लाल बड़ौली महम, विधायक नैना सिंह चौटाला डबवाली, विधायक निर्मल रानी गन्नौर, विधायक नयनपाल रावत खरखौदा, विधायक घनश्याम दास अरोड़ा बिलासपुर, विधायक लीलाराम रादौर तथा विधायक राम कला छछरौली उपमण्डल में ध्वजारोहण करेंगे।

इसी प्रकार पंचकूला के मेयर कुलभुषण गोयल कालका, जिला परिषद हिसार के प्रधान सोनू सिहाग बवानीखेड़ा, जिला परिषद रेवाड़ी के प्रधान मनोज कुमार बाढड़ा, जिला परिषद झज्जर के प्रधान कप्तान सिंह बादली, जिला परिषद यमुनानगर के प्रधान रमेश चन्द शाहबाद, जिला परिषद नूंह के प्रधान जान मोहम्मद पुन्हाना, जिला परिषद महेंद्रगढ़ के प्रधान डा. राकेश कुमार तावडू, जिला परिषद फतेहाबाद की प्रधान सुमन बाला कालांवाली में ध्वजारोहण करेंगे।

खेलों से शारीरिक मजबूती के साथ मन भी सेहतमंद होता हैः ब्रज शर्मा

करनाल। जन नायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बृज शर्मा ने कहा है कि खेलों से शरीररिक विकास होता हैं। उन्होंने कहा कि खेलों का स्वरूप बदलता जा रहा हैं। करनाल में भी अब बिदेशों में खेले जाने वाले खेल लोकप्रिय हो रहे हैं। वह आज अंसल टाउन में खेल अकादमी हाउज देट टर्फ क्लब के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। कार्यक्रम में समाजसेवी सुनील अरोड़ा नवीन जैन प्रवीण गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमित अग्रवाल राकेश मित्तल, नुपूर अग्रवाल,रितु अग्रवाल, नुपेर अग्रवाल, राधिका अग्रवाल मौजूद थे। इस अवसर पर अकेदमी के संचालक निकुंज अग्रवाल और करुणाल अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने इस तरह की हली अकादमी खोली हैं। इसमें बाक्स क्रिकेट और फुटवाल लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगी। उन्होंने बताया कि यहां पर आने वाले दिनों में और अधिक नए रोमांचकारी खेलों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी तक यहां पर इस तरह की खेल अकादमी की कमी महसूस की जा रही थी। यहां पर कुछ लोग ही मिल

कर खेल सकेंगे। उन्होंने बताया कि इसके अलावा मेन फुटवाल फाइट गेम भी अपनी तरह का पहला गेम होगा। इससे पहले अतिथियों का स्वागत अकेदमी के संचालकों ने किया। यहां पर मुख्य अतिथि ने बाक्स क्रिकेट का आगाज विशेष प्रकार के बेट से विशेष प्रकार के बाल से शाट लगा कर किया। इसके अलावा बच्चों ने मेन फुटवाल फाइट का आनंद उठाया। संचालकों ने बतमाया कि इस तरह के खेलों से हर उम्र के लोगों के रोमांच का अनुभव होगा।

गृह मंत्री अनिल विज की नन्हीं नाती वान्या ने गाया गीत ''मेरी झोपडी के भाग आज खुल जाएंगें-राम आएंगें, राम आएंगे''

हिसार। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज में आज बचपन भी दिखाई दिया। श्री विज ने उनकी ओर आज भागते हुए आ रही अपनी नन्ही नाती वान्या को अपने गले से लगा लिया और गीत ''मेरी झोपडी के भाग आज खुल जाएंगे-राम आएंगे, राम आएंगे'' को सुनाने लिए कहा।

इस पर श्री विज की नन्हीं नाती वान्या ने ''मेरी झोपड़ी के भाग, आज खुल जाएंगे, राम आएँगे, राम आएँगे, राम आएँगे, मेरी झोपडी के भाग आज खुल जाएंगे, राम आएँगें'' सुनाया। नन्हीं वान्या ने गीत के बोल पर आगे बढते हुए सुनाया कि ''राम आएँगे तो, आंगना सजाऊँगी, दीप जलाके, दिवाली मनाऊँगी, मेरे जन्मो के सारे, पाप मिट जाएंगे, राम आएँगे, मेरी झोपडी के भाग, आज खुल जाएंगे, राम आएँगे।। गीत को आगे गाते हुए वान्या ने गाया कि ''राम झूलेंगे तो, पालना झुलाऊँगी, मीठे मीठे मैं, भजन सुनाऊँगी, मेरी जिंदगी के, सारे दुःख मिट जाएँगे, राम आएँगे, मेरी झोपडी के भाग, आज खुल जाएंगे, राम आएँगे।। इसी प्रकार, नन्हीं वान्या ने गीत की अगली पंक्तियों को गाते हुए गाया कि '' मैं

तो रूचि रूचि, भोग लगाऊंगी, माखन मिश्री मैं, राम को खिलाऊंगी, मेरी झोपडी के भाग, आज खुल जाएंगे, राम आएँगे।। नन्हीं वान्या द्वारा गाए गए जा रहे गीत के दौरान श्री विज तथा अन्य साथ खडे व्यक्तियों ने तालियां बजाकर श्री विज की नाती वान्या की हौसला अफजाई की और गीत समाप्त होने पर श्री विज सहित सभी व्यक्तियों ने हंसकर सकारात्मक माहौल सृजित किया।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ऐतिहासिक एंव गौरवशाली : आजाद सिंह

करनाल। रामलला के आगमन को लेकर देश भर में उत्सव मनाया जा रहा है। 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इस उपलक्ष्य में देश भर में मंदिरों व धार्मिक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। वहीं शनिवार को करनाल के नीलोखेड़ी पोल्ट्री एरिया स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर में भाजपा सरकार में हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के वाइस चेयरपर्सन आजाद सिंह की अध्यक्षता में हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैंकड़ों की संख्या में लोगों ने पहुंचकर हवन यज्ञ में आहुति डाली। विधि विधान से हवन यज्ञ के बाद प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर आजाद सिंह ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बनाने का देश के लोगों का सपना काफी वर्षों के बाद पूरा हुआ है। इसको लेकर देश में चारों तरफ उत्साह का माहौल है। हर शहर हर गांव राम नाम के जयकारों से गूंज रहा है। रामलला के आने की खुशी में अयोध्या का मंदिर ही नहीं बल्कि देश का हर मंदिर सजा हुआ है। 22 जनवरी को रामलला मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होने जा रहा है। यह दिन देश के लिए ऐतिहासिक व गौरवशाली दिन होगा है। अयोध्या में राम मंदिर बनने व रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लोग इतने उत्साहित है कि

बच्चा-बच्चा इस ऐतिहासिक दिन का साक्षी बनना चाहता है। इस दिन जो लोग अयोध्या नहीं जा सकते। उनके लिए सभी जगहों पर मंदिरों व धार्मिक स्थानों पर बड़ी-बड़ी एलइडी की व्यवस्था की गई है। जिसमें अयोध्या से सीधा प्रसारण दिखया जाना है। आजाद सिंह ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपने-अपने क्षेत्र के मंदिरों व धार्मिक स्थानों पर पहुंचकर उस जगह को अयोध्या मानकर उस प्रसारण को देखें और अपने घरों को दीपों से सजाकर दीपावली मनाएं। इस अवसर पर मदनपाल सौदा, मंडल अध्यक्ष एससी मोर्चा नीलोखेड़ी, बलबीर मराठा मंडल अध्यक्ष नीलोखेड़ी, चमेल सिंह कोऑर्डिनेटर आर टी आई नीलोखेड़ी, अजमेर महामंत्री नीलोखेड़ी, लवली खुखरेजा महामंत्री नीलोखेड़ी, मुकेश धीमन शक्ति केंद्र प्रमुख नीलोखेड़ी, रामफल वर्मा पन्ना प्रमुख वार्ड नंबर 11 नीलोखेड़ी, बलकार सिंह लाठर मंडल उपाध्यक्ष नीलोखेड़ी, गुलाब सिंह मंडल उपाध्यक्ष नीलोखेड़ी,रणजीत चौहान सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी सी एसएसआरआई करनाल, अमरजीत प्रधान महर्षि वाल्मीकि वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर 16 करनाल, जेके शर्मा अध्यक्ष भगवान श्री परशुराम सेवादल, सुभाष, सतीश कल्याण बुटाना, मुकेश वाल्मीकि व सतीश पोल्ट्री एरिया सहित सैंकड़ों लोग उपस्थित रहे।

राव इंद्रजीत सिंह की राजनीति पर कोई दाग नही : अनिल रायपुर

खोल। प्रबुद्ध समाजसेवी, वरिष्ठ भाजपा नेता और दिग्गज नेता राव इंद्रजीत सिंह के कट्टर समर्थक अनिल रायपुर ने कहा कि केंद्रीय मंत्री व दिग्गज नेता राव इंदरजीत सिंह की राजनीति पर कोई दाग नही है और उन्होंने सदैव ईमानदारी की राजनीति की है। उनकी कथनी और करनी में भी कोई अंतर नही है,उन्होंने जो कह दिया सो कर दिया।

अनिल रायपुर ने कहा कि राव इंद्रजीत सिंह ने कभी भी समझौतावादी राजनीति नही की। इस इलाके की भलाई के लिए ही कार्य किया। आज दक्षिणी हरियाणा में केंद्रीय विश्वविद्यालय, सैनिक स्कूल,रेल कॉरिडोर, रेवाड़ी जैसलमेर एक्सप्रेसवे, मीरपुर यूनिवर्सिटी, डिफेंस यूनिवर्सिटी जैसी बड़ी परियोजना स्थापित करवा राव इंद्रजीत सिंह ने इस क्षेत्र के विकास में चार चांद लगाए। अब माजरा में प्रस्तावित एम्स निर्माण को लेकर श्री राव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर के निरन्तर सम्पर्क में है और एम्स का शिलान्यास भी जल्द होगा। अनिल रायपुर ने कहा कि अब बहन आरती सिंह राव भी अपने दादा जी स्वर्गीय राव बीरेंद्र सिंह और पिता राव इंद्रजीत सिंह के नक्शे कदम पर चलकर इस क्षेत्र में जनसंवाद कार्यक्रम चलाकर लोगों की समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण कर रही है।

दुष्यंत चौटाला ने निभाया वादा, 40 गांवों की बड़ी समस्या का किया समाधान

अटेली। पिछले 311 दिनों से 152-डी एक्सप्रेस-वे पर बाघोत कट बनाने की मांग कर रही संघर्ष समिति ने कट मंजूर करवाने के लिए हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला आभार जताया हैं। संघर्ष समिति के सदस्यों ने जजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष अभिमन्यु राव को धरनास्थल पर बुलाया और उनका जोरदार स्वागत किया गया। उन्हें न केवल सम्मान सूचक पगड़ी पहनाई गई बल्कि मिठाई खिलाकर उनका आभार जताया गया। समिति सदस्यों ने एक सुर में कहा कि जजपा नेता अभिमन्यु राव के अथक प्रयास से ही ये सब संभव हो पाया है।

जिला प्रवक्ता सिकंदर गहली ने बताया कि संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय सिंह चेयरमैन ने कहा कि 4 जनवरी को डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला धरना स्थल पर पहुंचे थे और उन्होंने ग्रामीणों की सुविधा के लिए 152-डी पर बाघोत कट बनवाने का वादा किया। उसके बाद 8 जनवरी को एक

प्रतिनिधिमंडल चंडीगढ़ में जजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष अभिमन्यु राव के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री से मिला था तब उन्होंने आश्वासन दिया था के वो जल्दी ही केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर कट मंजूर करवाएंगे। विजय सिंह ने कहा कि डिप्टी सीएम के प्रयासों से मात्र 15 दिनों में ही 40 गांवों के ग्रामीणों की मांग पूरी हुई है, इसके लिए संघर्ष समिति उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, जजपा नेता अभिमन्यु राव सहित समस्त हरियाणा सरकार का धन्यवाद करती है। इस अवसर पर अभिमन्यु राव के साथ हलका अध्यक्ष कुलदीप कलवाड़ी व पंचायती प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बेदू राता विशेष रूप से मोजूद रहे।

विजय सिंह ने कहा कि इस बाघोत कट बनने से जहां आस-पास के क्षेत्र के लोगों को राहत मिली है, वहीं इससे क्षेत्र की तरक्की भी बढ़ेही। साथ ही ग्रामीणों का 152 डी पर सफर करना भी आसान होगा। जजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष अभिमन्यु राव ने विशेष रूप से डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला का आभार व्यक्त किया और कहा कि दुष्यंत चौटाला के मजबूत प्रयासों से आज बाघोत कट को केंद्र सरकार द्वारा मंजूरी मिली है। उन्होंने कहा कि दुष्यंत चौटाला ग्रामीणों के हित के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं और बाघोत कट की मंजूरी इस बात पर मुहर लगाती है। इस दौरान युवा हल्का अध्यक्ष महिपाल नंबरदार बाघोत,सरपंच राजेंद्र सिंह बाघोत, सरपंच बलवान सिंह छिथरोली, सरपंच सुरेश झाड़ली, सरपंच हरिओम पोता, सरपंच वीरपाल स्याणा, सरपंच दलबीर चिडिय़ा, सरपंच पंकज खेड़ी, नरेंद्र शास्त्री, विजयपाल मास्टर, डॉ लक्ष्मण, चेयरमैन सतपाल, प्रधान कृष्ण कुमार, सूबेदार हेमराज, पहलवान रणधीर, बाबूलाल, मुंशीराम, पूर्व सरपंच बेडा सिंह, पूर्व सरपंच हंस कुमार, औमप्रकाश, राहुल पोता, दाता राम, सूबेदार भोलेराम, तेज नौसवा, पूर्व सरपंच सतवीर नौसवा, रमेश इसराना, शिबू तंवर खेड़ी, पितांबर तंवर, संदीप श्योराण, सत्री यादव, भूपेंद्र शेखपुर सहित 40 गांवों के ग्रामीणों ने भी उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का धन्यवाद किया।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर हथियारों के साथ फ़ोटो अपलोड करके पोज बनाए तो होगी कानूनी कार्यवाही- एसपी सिंगला

हथीन। पुलिस अधीक्षक डॉ अंशु सिंगला आईपीएस ने बतलाया कि आमतौर पर एक दूसरे के देखा देखी कई युवा हथियार लेकर उसे लहराते हुए अलग-अलग पोज में फोटो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर देते हैं जिससे समाज में बहुत गलत संदेश जाता है तथा समाज में अपराधिक प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है। इस प्रकार का गैर कानूनी कार्य करने में जिस व्यक्ति का हथियार होता है और जो फोटो अपलोड करता है वह दोनों ही दोषी होंगे। अधिकतर मामले हर्ष फायरिंग से जुड़े होते हैं जो कि गैर कानूनी है। हर्ष फायरिंग करने वालों के विरुद्ध पलवल पुलिस सख्ती से कार्रवाई करेगी। सोशल मीडिया मॉनिटरिंग पर पलवल पुलिस की पैनी नजर है। उन्होंने हर्ष फायरिंग बारे उदाहरण देते हुए बतलाया कि दिनांक 22 सितंबर 2022 को दो महिला आरोपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हथियार लहरा कर एवं हवाई फायर कर पोस्ट अपलोड की जो इस संबंध में दोनों महिला आरोपियों के खिलाफ साइबर क्राइम थाना पलवल में आईटी एक्ट, आर्म्स एक्ट एवं आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया साथ ही दोनों महिला आरोपियों को मामले में त्वरित गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा भी पलवल पुलिस द्वारा इस प्रकार के कई मामले दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अधीक्षक ने आम जनता को जागरूक करते हुए निर्देश दिए कि कोई भी लाइसेंस शुदा हथियार धारक अपने

हथियारों को किसी भी अन्य व्यक्ति को न सौपे तथा किसी भी व्यक्ति के द्वारा इस प्रकार के हथियारों का प्रदर्शन नहीं किया जा सकता । यदि कोई व्यक्ति ऐसा करता है तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी और हथियार का लाइसेंस रद्द किया जाएगा । यह एक बहुत ही गलत प्रवृत्ति है इससे युवा वर्ग भ्रमित होकर पथभ्रष्ट होने की संभावना बनी रहती है ।

आईजीयू एनएसएस इकाई ने ऐतिहासिक विरासत को बचाने लिए चलाया सवच्छता अभियान

रेवाड़ी। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा ब्रांड एम्बेसडर प्रियंका यादव व समर्पण इकाई के सहयोग से दिल्ली रोड स्थित ऐतिहासिक छतरियों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम अधिकारी सुशांत यादव ने बताया कि आईजीयू एनएसएस द्वारा ऐतिहासिक इमारतों के संरक्षण के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है, दिल्ली रोड स्थित ये छतरियाँ रेवाड़ी शहर की अमूल्य धरोहर है जिनके संरक्षण के लिए एनएसएस द्वारा पहले भी 2 बार यहाँ कार्य किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इन ऐतिहासिक छतरियों को असामाजिक तत्वों ने अपना अड्डा बनाया हुआ है और इनका नशे के लिए इस्तेमाल हो रहा है जो अत्यंत गंभीर विषय है। इस मुहिम में स्वच्छ रेवाड़ी की ब्रांड एम्बेसडर प्रियंका यादव का विशेष योगदान रहा। उन्होंने कहा कि हम सब को मिलकर अपने शहर को स्वच्छ बनाना होगा, उन्होंने लोगो से अपील की कि वे अपना कूड़ा कर्कट नगर परिषद् की गाड़ी में ही डाले व इधर-उधर कूड़ा ना डाले। इस अवसर पर समर्पण टीम रेवाड़ी के सचिन इंजीनियर और मुकेश यादव भी इस स्वच्छता अभियान में शामिल हुए, उन्होंने कहाँ की मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी की प्रेरणा से वो हरियाणा सरकार के समर्पण कार्यक्रम से जुड़े थे और उन्हें बहुत खुशी है कि जब राम मंदिर के शिलान्यास समारोह के लिए पूरे देश भर के देवालयों में सफ़ाई अभियान चल रहा है, वही समर्पण टीम रेवाड़ी भी इन ऐतिहासिक इमरतों में सफ़ाई में अपना योगदान दे रही है। उन्होंने कहाँ की वे ज़िला प्रशासन से भी निवेदन करते है कि इन इमारतों की जल्दी से जल्दी मरम्मत करवाई जाए। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनीता यादव व बड़ी संख्या में एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

अंतिम' और 'वंचित' व्यक्तियों को समाज की मुख्यधारा में लाना मोदी की 'गारंटी' : डा. बनवारी लाल

रेवाड़ी-बावल। हरियाणा सरकार में सहकारिता एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल ने कहा कि 'विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद' के माध्यम से अंतिम और वंचित व्यक्तियों का विकास कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाना मोदी की 'गारंटी' है। मोदी जी की 'गारंटी' वैन केंद्र व राज्य सरकार की 'अंत्योदय' व 'गरीब' कल्याण योजनाओं व सेवाओं का लाभ घर-घर जाकर दे रही है। सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल शनिवार को सब्जी मंडी बावल व होली चोवटा बावल में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद' का गर्मजोशी से स्वागत करने उपरांत उपस्थित लाभार्थियों से सीधा संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार ने देश-प्रदेश में व्यवस्था परिवर्तन का काम किया है। सरकार हर क्षेत्र में ईमानदारी व भ्रष्टाचार मुक्त तरीके से लोगों के काम कर रही है।

देश-प्रदेश की महिलाओं के लिए बदलाव का प्रतीक है 'उज्ज्वला' योजना - सहकारिता मंत्री

सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री 'उज्ज्वला' योजना देश-प्रदेश की माताओं-बहनों के लिए वरदान बन कर आई है, अब उन्हें खाना बनाते समय लकडियों से उठने वाले धुएं से जद्दोजहद नहीं करनी पड़ती। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' पूरे देश में जा रही है, भारत के विभिन्न कोनों से महिलाएं प्रधानमंत्री 'उज्ज्वला' योजना से उनके जीवन में आए बदलाव को साझा करने के लिए आगे आ रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से 2016 में शुरू की गई यह योजना देश-प्रदेश की महिलाओं के लिए बदलाव का प्रतीक है।

पोर्टल के माध्यम से ऑटो मोड में बन रही बुढ़ापा और दिव्यांग पेंशन - डा. बनवारी लाल

सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल ने कहा कि सरकार ने सभी विभागों की कल्याणकारी नीतियों व योजनाओं को ऑनलाइन मोड पर अपडेट कर दिया है। इसी कारण अब लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। अब लोगों को सरकारी योजनाओं व सेवाओं का घर बैठे सीधा लाभ मिल रहा है। प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा शुरू किए गए परिवार पहचान पत्र के माध्यम से स्वत- ही सरकार की विभिन्न योजनाओं व सेवाओं का लाभ मिलना शुरू हो जाता है। उन्होंने कहा कि अब बुढ़ापा व दिव्यांग पेंशन पोर्टल के माध्यम से स्वत- ही बन रही है, जिससे बुजुर्गों व दिव्यांगों को कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने से छुटकारा मिल गया है। उन्होंने कहा कि

प्रदेश सरकार ने वृद्धजनों व दिव्यांगों के जीवन में खुशहाली लाने का काम किया है। उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं से हितग्राहियों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों के बारे में जानकारी भी प्राप्त की।

मुख्य अतिथि डा. बनवारी लाल ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन

सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल ने 'विकसित भारत-जनसंवाद-संकल्प यात्रा' के दौरान विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई स्टॉल का अवलोकन हुए नागरिकों से आह्वान किया कि 'विकसित भारत-जनसंवाद-संकल्प यात्रा' में पहुंच कर सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और लाभ उठाएं। इस दौरान लाभार्थियों व आम नागरिकों को सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर आधारित ब्रॉशर, कलेंडर सहित अन्य प्रचार सामग्री का वितरण भी किया गया। उन्होंने 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर भारत को 2047 तक 'आत्मनिर्भर एवं विकसित' राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया।

लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का जताया आभार

'विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद' में मेरी कहानी-मेरी जुबानी के माध्यम से लाभार्थियों ने अपने-अपने अनुभव बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त किया। लाभार्थियों ने कहा कि पहली बार कोई सरकार वास्तव में गरीबों व जरूरतमंदों को लेकर चिंतित और गंभीर दिखाई दे रही है। केंद्र और प्रदेश सरकार ने 'अंत्योदय' जैसी योजना लागू कर देश-प्रदेश के उन गरीब लोगों का कल्याण एवं उत्थान करने की बात की है जो समाज की स्ट्रीम लाइन से टूटे हुए हैं। गरीबों के बच्चों की शिक्षा, परिवार का गुजर-बसर, बीमार होने पर उनकी दवा-इलाज की व्यवस्था और गरीबों की आय बढ़ाने के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू कर यह जता दिया है कि गरीब के कल्याण को लेकर वह कितनी चिंतित और गंभीर है। सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल ने 'विकसित भारत-जनसंवाद-संकल्प यात्रा' के दौरान लाभार्थियों से जनसंवाद करते हुए उनकी परिवार पहचान पत्र, वृद्धावस्था पेंशन सहित अन्य शिकायतें व समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही शिकायतों व समस्याओं का त्वरित समाधान कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा आमजन की शिकायतें, मांगें व सुझाव लेने के लिए सीधे लोगों के बीच जाने की पहल शुरू की गई है। 'जनसंवाद' कार्यक्रम जन-जन की आवाज बन चुका है। सरकार की ओर से जनसंवाद कार्यक्रम धरातल पर सरकारी की योजनाओं के क्रियान्वयन और लोगों से सीधे फीडबैक लेने के लिए शुरू किया गया है, जिसके सराहनीय परिणाम आ रहे हैं।

मोदी सरकार द्वारा पेश किये गए आंकड़े ही भाजपा की झूठ और जुमलों की खोल रहे पोल : सुनीता वर्मा

पटौदी। नीति आयोग द्वारा जारी किए गए आँकड़ों के अनुसार 140 करोड़ जनसंख्या वाले देश में 57.40 करोड़ जनसंख्या के पास रहने को घर नहीं हैं, लेकिन फिर भी 9 साल में ग़रीबी 29.17त्न से घटकर 11.28त्न हुई। मतलब मोदी सरकार ने 24.82 करोड़ लोगों को गरीबी से उबार दिया। जबकि सरकार ये भी कहती है कि देश में 80 करोड़ गरीब लोगों को 5 किलो राशन मुफ्त दिया गया। तो फिर ये कौन लोग हैं जिन्हें गरीबी खत्म होने के बावजूद राशन दिया गया। कहीं ये मोदी सरकार का महाघोटाला तो नही? जबकि हमारा देश आज भी विश्व में भुखमरी में 111वें स्थान पर है।% उक्त बातें हरियाणा कांग्रेस सोशल मीडिया की स्टेट कॉर्डिनेटर सुनीता वर्मा ने प्रेस के नाम जारी विज्ञप्ति में कही। उन्होंने कहा कि 150 साल में पहली बार ऐसा हुआ की जनगणना हुई नहीं, कंज्यूमर एक्सपेंडिचर सर्वे हो नहीं रहा, रोजगार के अपने आंकड़ों को ही सरकार झुठला रही है, तो फिर ये आंकड़े नीति आयोग के पास आए कहां से?

वर्मा ने कहा कि नीति आयोग द्वारा जारी बहुआयामी गरीबी सूचकांक की रिपोर्ट यकीनन भाजपा कार्यालय में लिखी गई है, क्योंकि इसमें तथ्य और तर्क से ज्यादा पूरी रिपोर्ट में मोदी काल को बेहतर बताने की छटपटाहट साफ दिखती है। कारण स्पष्ट है, मोदी सरकार आर्थिक मोर्चे पर घिरी है और चुनाव नजदीक हैं।

महिला कांग्रेस नेत्री ने कहा कि चुनावी माहौल

के बीच नीति आयोग ने जनता को भ्रमित करने के लिए साजिश के तहत ये आँकड़े जारी किए हैं। कांग्रेस शासन की औसत जीडीपी मोदी के 9 वर्षों की औसत जीडीपी से काफी बेहतर रही है जबकि आज देश में बेरोजगारी, महंगाई से हाहाकार मचा हुआ है, तो क्या ऐसे बदतर हालातों में नीति आयोग हवा में ही नीतियां बनाने लगा है? उन्होंने कहा कि रोजगार दिया नही जा रहा, महँगाई कम की नही जा रही, भुखमरी में देश अव्वल ही है। फिर लोग गरीबी रेखा से ऊपर कैसे आये? ऐसा लगता है कि आगामी चुनावों को देखते हुए मोदी सरकार झूठे आंकड़े पेश करके जनता को गुमराह और मूर्ख बना रही है।

कांग्रेस नेत्री ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार भारत में अभी भी 41.32त्न लोगों के पास अपना घर नहीं है, 30.93त्न के पास टॉयलेट (संडास) नहीं है, 43.90त्न के पास रसोई गैस नहीं है, 31.52त्न आबादी पोषाहार से वंचित हैं, 19.17त्न गर्भवती महिलाएं खराब मातृ सेहत (एनीमिक) हैं, 7.32त्न आबादी अभी भी पेयजल से वंचित है। उन्होंने कहा कि फिर भी ऐसे विपरीत हालातों में केंद्र सरकार के 15 मंत्रालयों को आबंटित बजट का कुल 17.8त्न ही अब तक खर्च होना बताता है की मोदी-भाजपा सरकार देश से किस तरह ठगी कर रही है तथा विभिन्न मंत्रालयों को आवंटित बजट पर झूठ बोलकर उस धन को अपने मित्र पूंजीपति अडानी-अंबानी की तिजोरियों में सत्ता दुरुपयोग से भेजने का कुप्रयास कर रही है। 2014 में इन्होंने जनता से दो करोड़ रोजगार हर साल देने का वादा किया, फिर 2017 में पकौड़ा बेचने को बोला फिर इन जालसाजों ने 2020 में आत्मनिर्भरता का ज्ञान देना शुरु करके युवाओं का भविष्य व कैरियर बर्बाद करने वाले इन महाधूर्तों व ठगों ने अब 80 करोड़ गरीब लोगों को राशन देने का झूठा व भ्रष्टाचारी दावा किया है।

15 फरवरी को राष्ट्रीय कृमि निवारण कार्यक्रम लागू करेगा हरियाणा -एडीसी

रेवाड़ी। एडीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल की अध्यक्षता में 15वें राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और एनएचएम, हरियाणा आगामी 15वें डीवॉर्मिंग राउंड को संस्थान आधारित निश्चित दिन के दृष्टिकोण से लागू करने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस 15 फरवरी, 2024 को लागू किया जाएगा और उसके बाद 20 फरवरी, 2024 को मॉप-अप दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत 1-19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को कृमि मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत 1-2 वर्ष के बच्चों के लिए एल्बेंडाजोल टैबलेट की खुराक आधा टैबलेट, 3-19 वर्ष के बच्चों के लिए एक टैबलेट, प्रजनन आयु वर्ग (20-24 वर्ष) वाली महिलाओं (गैर-गर्भवती और गैर-स्तनपान कराने वाली महिलाओं) के लिए एक टैबलेट का प्रावधान है। एडीसी ने कहा कि सुरक्षित और लाभकारी एल्बेंडाजोल टेबलेट से कृमि मुक्ति, आंतों के कृमि संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए एक साक्ष्य-आधारित, विश्व स्तर पर स्वीकृत और प्रभावी समाधान है। इस प्रकार, राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम को जिला के सभी बच्चों और किशोरों तक पहुंचने के लिए डिजाइन किया गया है। कुछ मामलों में, बच्चों को कृमि मुक्ति के बाद मतली, हल्का पेट दर्द, उल्टी, दस्त और थकान का अनुभव हो सकता है। ये दुष्प्रभाव आमतौर पर अस्थायी होते हैं और इन्हें आसानी से प्रबंधित किया जा सकता है। बैठक में सिविल सर्जन रेवाड़ी डा. सुरेन्द्र यादव, जिला शिक्षा अधिकारी रेवाड़ी नसीब सिंह, डीआईपीआरओ दिनेश कुमार, महिला एवं बाल विकास अधिकारी शालू यादव, प्रधान आईएमए रेवाड़ी डा. दीपक यादव, डा. विशाल राव उप-सिविल सर्जन रेवाड़ी, संदीप यादव प्रधान निजी स्कूल एसोसिएशन, एनीमिया मुक्त भारत के क्षेत्रीय समन्वय राहुल चौधरी एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

क्राइम डायरी

क्राइम ब्रांच सेक्टर 85 की टीम ने गाँव तिल्होरी खादर में हुई हत्या के मामले में मुख्य आरोपी सहित 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। बता दें कि गांव तिल्होरी खादर में 14 जनवरी को जमीन विवाद में प्रॉपर्टी डीलर रामसेवक की हत्या योजना के तहत कर दी है। मृतक के छोटे भाई विजेंद्र पाल की शिकायत पर थाना भुपानी में योजना के तहत अवैध हथियार से हत्या की प्रयास और हत्या की धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। मामले में संज्ञान लेते हुए पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य के द्वारा मामले में तुरंत कार्रवाई के दिए गए आदेश डीसीपी क्राइम हेमेंद्र कुमार मीणा के दिशा निर्देश तथा एसीपी क्राइम अमन यादव के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर 85 प्रभारी जोगिन्द्र सिहँ की टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सहित तीन आरोपियों की गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य आरोपी मोहित उर्फ़ कपील, गौरव,मुबीन उर्फ़ सेंटी का नाम शामिल है।गौरव गाँव मवई, मुख्य आरोपी मोहित उर्फ़ कपील गाँव नचौली तथा आरोपी मुबीन उर्फ़ सेंटी गाँव मवई नई कॉलोनी का रहने वाला है। मृतक भी गांव नचौली का रहने वाला है। जो अब अपने परिवार के साथ सेक्टर 16 में रहता था। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि मुख्य आरोपी मोहित उर्फ कपील से पूछताछ में सामने आया कि मृतक रामसेवक व उसके बीच जमीनी विवाद चल रहा था जिस कारण पहले भी संबंध में झगड़े हुए हैं जो अब मोहित उर्फ़ कपिल ने इस जमीन विवाद को लेकर रामसेवक को मारने की योजना बनाई थी। योजना के तहत कपिल ने पता किया कि रामसेवक हर रविवार तिल्होरी खेतों पर जाता है और मोहित उर्फ़ कपील ने अपने साथियो मुबीन, गौरव, और अन्य आरोपी के साथ मिलकर रामसेवक की हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। क्राइम ब्रांच टीम ने तीनों आरोपियों से को अपने सूत्रों से प्राप्त सूचना से सेक्टर 56 से गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों को मामले में पूछताछ के लिए अदालत में पेश कर 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी गौरव से देसी पिस्टल,2 मैगजीन व 2 रोंद, आरोपी मुबीन से कुल्हाड़ी ,फरसा और वारदात में प्रयोग गाड़ी को केजीपी रोड गांव मौजपुर के पास से वारदात में प्रयोग गाड़ी को बरामद किया है। तीनों आरोपियों को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया। वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

साइबर अपराधों के बारे में रहे सजग, साइबर अपराधी बैठे हैं आपकी छोटी सी चूक के इंतजार में- पुलिस आयुक्त

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। आजकल तकनीकि के दौर में अलग-2 तरह से लोगों को ऑनलाइन सुविधाएं मिल रही है। जिसके माध्यम से लोग अपने ज्यादातर काम करने के लिए तकनीकि पर ही निर्भर हैं। साइबर अपराधी लोगों की इसी निर्भरता का फायदा उठाकर विभिन्न प्लेटफॉर्म से लोगों का डाटा प्राप्त करके उनको झांसे में लेकर उनके साथ ठगी कर रहे हैं। साइबर ठगी से बचाव के तरीकों के बारे में पुलिस आयुक्त कार्यालय में एक प्रेस वार्ता रखी गई जिसमें पुलिस कमिश्नर श्री राकेश कुमार आर्य ने साइबर फ्रॉड के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि साइबर अपराधी लोगों को विभिन्न प्रकार से लालच देते हैं, जिनमें से कुछ बड़े प्रकार टेलीग्राम टास्क फ्रॉड, इन्वेस्टमेंट फ्रॉड, कस्टमर केयर अधिकारी बनकर फ्रॉड, लोन फ्रॉड, अश्लील वीडियों बनाकर ब्लैकमेल करके, लोगों के खाते में बहाने से पैसे डलवाने का लालच देना, बैंक अधिकारी बनकर ओटीपी प्राप्त करना प्रमुख है।

1. **टेलीग्राम टास्क फ्रॉड-** इस प्रकार के फ्रॉड व्हाट्सएप व टेलीग्राम ऐप के माध्यम से सम्पर्क करके पर्यटन आधारित व्यवसाय को रेटिंग करने, यूट्यूब पर लाइक व सब्सक्राइब करने के नाम पर अलग-2 के टास्क देकर लोगों से सम्पर्क करके फ्रॉड किया जाता है। इस तरह के अपराधों में साइबर ठग पहले लोगों से सम्पर्क करते है। उसके बाद लोगों को टेलीग्राम ऐप पर विभिन्न ग्रुपों में जोड दिया जाता है और कुछ छोटे व आसान टास्क देकर मामूली रकम उनके खाते में डाल दी जाती है। फिर लोगों को थोडे बडे ग्रुप में जोडकर टास्क का झांसा दिया जाता है और बाद में लोगों को और बडे ग्रुप में डालकर अलग-2 बहानों से पैसे मांगकर फ्रॉड किया जाता है। लोगों को इस प्रकार के अपराधों से सजग रहना चाहिए।

2. **इन्वेस्टमेंट फ्रॉड-** साइबर अपराधी व्हाट्सएप व टेलीग्राम ऐप के माध्यम से लोगों के पास मैसेज भेजकर लोगों द्वारा फर्जी साइटों पर ट्रेडिंग अकाउंट खुलवा लिये जाते है। उसके बाद पहले थोडा मुनाफा दिखाकर बाद में घाटा बतलाकर अलग-अलग नाम कभी लिमिट बढाने के नाम पर तो कभी विड्रोल की शर्त रख कर पैसे जमा करा लिये जाते है और उन्हें डॉलर में कन्वर्ट कराकर विदेषों में ट्रांसफर कर लिया जाता है।

3. कस्टमर केयर अधिकारी बनकर फ्रॉड- इस प्रकार के अपराधों में गूगल सर्च इंजन पर विभिन्न बैंकों, ऑनलाइन मर्चेन्टों व अन्य ज्यादा सर्च की जाने वाली साइटों पर साइबर अपराधी बतौर कस्टमर केयर बनकर अपना प्राइवेट मोबाइल नंबर अपलोड कर देते है। जिसके बाद जब भी कोई नागरिक गूगल पर बैंकों, ऑनलाइन मर्चेन्टों आदि के कस्टमर केयर नंबर सर्च करके सम्पर्क करता है तो यह मोबाइल नंबर एक्टिव नही होता परंतु कुछ समय बाद दूसरे नंबर से सम्पर्क किया जाता है जो अपने आपको कस्टमर केयर अधिकारी बतलाते है और नागरिक की निजी जानकारियां प्राप्त करके उसके खातों से रकम फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खुलवाये गये बैंक खातों में प्राप्त करके धोखाधडी की जाती है।

4. लोन फ्रॉड- एक मुख्य तरीका जरुरतमंद लोगों को लोन दिलाने के नाम पर रजिस्ट्रेशन फीस, सर्च रिपोर्ट, सर्वे रिपोर्ट आदि के नाम पर धोखाधडी करने का सामने आया है, जिसमें काफी ज्यादा लोग धोखाधडी का शिकार होते है। प्राइवेट नंबरों से नागरिकों को कम ब्याज दरों पर मनचाहा लोन दिलाने के नाम पर कॉलिंग की जाती है। जिसके बाद रजिस्ट्रेषन चार्ज, सर्च रिपोर्ट, सर्वे रिपोर्ट आदि के नाम पर फर्जी दस्तावेज के आधार पर खुलवाये गये बैंक खातों में रकम प्राप्त की जाती है। कॉलिंग नंबर व बैंक खातें लोगों नौकरी दिलाने के नाम पर सैलरी अकाउंट खुलवाकर प्रयोग किये जाते है। उपरोक्त फ्रॉड से अलावा भी आपके पास निम्न प्रकार की कॉल करके भी फ्रॉड किया जा सकता है-

आपके पास विभिन्न प्रकार के साइबर अपराध की कॉल जैसे- लोगों के फोन पर फ्री में रिचार्ज करने के नाम पर, प्रसाद की फ्री होम डिलीवरी, वीडियों कॉल कर लोगों की अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करके, रिस्तेदार या जानकर बनकर झांसे में लेकर पैसे मांगकर, लॉटरी निकलने का लालच देकर, लोगों के खाते में बहाने से पैसे जमा करवाने का लालच देकर आदि तरीकों से फ्रॉड किए जा रहे हैं।

वर्ष 2023 में साइबर फरीदाबाद की उपलब्धियां- वर्ष 2023 में जिला फरीदाबाद पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर अंकुष लगाते हुए कुल 183 अभियोग किये गये। जिनमें से 117 अभियोगों में सफलता हासिल करते हुए 423 आरोपियों को गिरफतार किया है।

माडल स्कूल में सड़क सुरक्षा माह के छटे दिन करीब 220 छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों के बारे में किया जागरूक

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद।

फरीदाबाद- डीसीपी ट्रैफिक अमित यशवर्धन के दिशा निर्देश के तहत ट्रैफिक टीआई ग्रेटर सतीश कुमार ने सेक्टर-31 में फरीदाबाद माडल स्कूल के छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों के सम्बन्ध में जागरुक करते हुए जानकारी प्रदान की। जागरुकता प्रोग्राम में प्रर्धानाचार्य शशि मलिक, कोडीनेटर जम जम व दिपीका के साथ करीब 220 छात्र- छात्राए ने भाग लिया है। ट्रैफिक पुलिस फरीदाबाद द्वारा मनाए जा रहे 35 वां में सड़क सुरक्षा माह का आज तीसरे दिन है जो 15 जनवरी से 14 फरवरी 2024 तक मनाया जाएगा। इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने सड़क सुरक्षा यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि रोड़ पर हमें सावधानी से चलना चाहिए। रोड़ को पार करते समय पहले अपने राइट देखना व फिर लेफ्ट देखने के बाद सावधानी से रोड़ पार करनी चाहिए। उन्होने बताया कि रोड़ पर सावधानी हटी दुर्घटना घटी। अपने बचाव में ही सबका बचाव है। रेड लाइट को कभी भी रेड सिग्नल पर पार नही करना चाहिए, ग्रीन होने पर ही रेड लाइट को पार करना चाहिए। इन सब सावधानी से सड़क दुर्घटना से बचने के लिए कई उपाय बताएं। अपने वाहन को हमेशा गति सीमा में ही ड्राइव करना चाहिए। अपनी लेन मे चलाएं तथा वाहन चलाते समय फोन का इस्तेमाल ना करे साथ ही वाहन में ऊंची आवाज में संगीत न बजाएं। गाड़ी चलाते समय स्वयं यातायात नियमों का पालन करे सावधानी बरतें और दूसरों का बचाव करें। गाडी के इंडिकेटर और रिफ्लेक्टर टेप का प्रयोग करे। दुपहिया वाहन चालक हेलमेट का अवश्य प्रयोग करे। गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट का इस्तेमाल अवश्य करें। अगर आपके सामने कोई दुर्घटना होती है तो आप डायल 112 पर सूचना दे। बगैर लाइसेंस के वाहन चलाने की कोशिश ना करें।

मोबाईल चोरी की वारदातो को अंजाम देन वाले 2 आरोपियो को पुलिस चौकी -2 की टीम ने किया गिरफ्तार

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। डीसीपी एनआईटी अमित यश वर्धन के द्वारा दिए गए दिशा निर्देश के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस चौकी नम्बर-2 इंचार्ज पंकज की टीम ने मोबाईल फोन चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले 2 आरोपियो को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियो में रोहित और अजय का नाम शामिल है। दोनों आरोपियो को तकनीकी सहायता से नेहरु कॉलोनी से ,ह्यद्व राजेश,सिपाही नवीन,सिपाही सोमवीर ने चोरी के मुकदमें में गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी मूल रुप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले है जो अब फरीदाबाद की नेहरु कॉलोनी में रहते है। दोनों आरोपियो को सेक्टर-55 के रहने वाले व्यक्ति के फोन चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। आरोपियो से पूछताछ के दौरान आरोपी रोहित के घर से 15 मोबाईल फोन बरामद किए गए है। दोनों आरोपी चोरी की वरादात को भीड वाले स्थानों पर जैसे रेली, मेला, मंदिर इत्यादि स्थानों पर अंजाम देते है। आरोपी अजय पहले भी उत्तर प्रदेश में जेल जा चुका है। आरोपी

चोरी के मोबाईल फोनों को मौके के अनुसार बेच देते है। दोनों आरोपी नशा करने के आदि है। नशे की पूर्ती के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देते है। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेजा जा चुका है। बरामद हुए मोबाईल फोन के संबंध में सभी थानो में सूचना दी गई ।

श्रीराम: मनुष्य से देवत्व की यात्रा

आप सभी को श्रीराम मंदिर के उद्घाटन की ढ़ेर सारी शुभकामनाएं। वास्तव में श्रीराम ने अपने जीवन में मनुष्य से देवत्व तक की यात्रा को न केवल तय किया है, बल्कि चरित्र के सर्वश्रेष्ठ स्तर को हासिल करने का उदाहरण भी प्रस्तुत किया है। उन्होंने हर स्थिति और व्यक्ति के साथ संबंध निभाकर जीवन का प्रबंधन समझाया है और समाज के अंतिम तबके को अपने साथ जोड़कर समाजवाद को भी परिभाषित किया है।

चलिए चर्चा करते हैं त्रेतायुग में अयोध्या में जन्में श्रीराम के मनुष्य से देवत्व को हासिल करने की यात्रा पर। बालपन में ही अपने छोटे भाईयों के प्रति स्नेह हो या गुरू के आश्रम पहुंचकर शिक्षा ग्रहण करना, बात माता-पिता की आज्ञा पालन की हो या सखाओं से मित्रता निभाने की, उन्होंने हमेशा ही अपने कर्मों से मर्यादा को प्रस्तुत किया और देवत्व की ओर यात्रा पर बढ़ चले।

जब गुरूकुल से शिक्षा-दीक्षा पूरी कर श्रीराम अयोध्या वापस लौटे तो वहां ऋषि विश्वामित्र का आगमन हुआ। उन्होंने राजा दशरथ से कहा कि मुझे राम को अपने साथ ले जाना है इस पर राजा चिंतित हो गए और कहने लगे कि आप मेरी सेना ले जाईये, मुझे साथ ले चलिए, आप राम ही को क्यों ले जाना चाहते हैं। इस पर ऋषि विश्वामित्र ने कहा कि यौवन, धन, संपत्ति और प्रभुत्व में से एक भी चीज किसी को हासिल हो जाए तो उसमें अहंकार आ जाता है, आपके पुत्र के पास यह चारों हैं लेकिन फिर भी वह विनम्र है इसलिए इसे ले जा रहा हूं। ऋषि विश्वामित्र के साथ वन जाकर श्रीराम ने राक्षसी ताड़का का वध किया, वहीं शिला बन चुकीं अहिल्या देवी का उद्धार किया। जनकपुरी में वे सीता स्वयंवर में पहुंचे। यहां बड़े-बड़े राजा जिस शिव धनुष को हिला भी न सके थे उसे प्रत्यंचा चढ़ाते हुए श्रीराम ने तोड़ दिया। इससे क्रोधित भगवान परशुराम को श्रीराम ने स्वयं मीठी वाणी बोलकर शांत किया। इसके साथ ही उनका देवी सीता से विवाह हुआ।

आज छोटी-छोटी चीजों पर हम डिप्रेशन में आ जाते हैं, वहीं जरा कल्पना कीजिए जिस युवक का अगली सुबह राजतिलक होने वाला हो और उसे रात में कहा जाए कि उसे वनवास पर जाना है। इस निर्णय को श्रीराम ने कितने रचनात्मक ढंग से लिया और वनवास जाने के लिए सहज तैयार हो गए। उन्होंने जहां एक ओर अपने पिता के वचन की लाज रखी, वहीं मां कौशल्या से कहा कि पिताजी ने मुझे जंगल का राज्य सौंपा है, वहां ऋषियों के सानिध्य में मुझे बहुत सेवा करने का अवसर मिलेगा। इसी कारण वन जाने से पहले जो अयोध्या के राजकुमार थे, वन से लौटकर वह मर्यादा पुरूषोत्तम कहलाए।

वनवास के दौरान श्रीराम ने खर, दूषण और सुबाहू जैसे कई राक्षसों का अंत किया। उन्होंने किसी राजा से बात नहीं की न ही किसी राज्य का आश्रय लिया। बल्कि उन्होंने वंचितों से बात की। आदिवासियों से मिले, केवट के माध्यम से गंगा पार की, शबरी के जूठे बेर खाए और समाज के अंतिम तबके से मिले। हर व्यक्ति को समाज की मूल धारा में जोड़ने के लिए श्रीराम ने समाजवाद की स्थापना की।

श्रीराम ने शौर्यवान, शक्तिशाली और पराक्रमी होने के बावजूद कभी धैर्य का साथ नहीं छोड़ा और सत्य पर अडिग रहे। इसलिए रावण वध को हम असत्य पर सत्य की जीत के रूप में याद रखते हैं। अयोध्या लौटने पर जब श्रीराम राजा बने तो उन्होंने सदा प्रजा के हित का विचार किया। इसके साथ ही रामराज्य की स्थापना हुई। जो आज भी इतिहास की सबसे श्रेष्ठ प्रशासनिक व्यवस्था के रूप में जाना जाता है।

अंत में बस इतना बताना चाहूंगा कि श्रीराम किसी धर्म या देश के नहीं बल्कि श्रीराम तो पूरी कायनात के हैं। श्रीराम तो वह हैं जो हर भक्त के चिंतन में हैं और सृष्टि के कण-कण में हैं। राम तो करूणा में हैं, शांति में राम हैं, राम ही हैं एकता में, प्रगति में राम हैं। राम हम सब के मन में हैं। हम सबकी आस्था में हैं।

अयोध्या में राम मंदिर

वेदों एवं पुराणों के अनुसार उत्तर प्रदेश की अयोध्या नगरी का इतिहास प्राचीन है। श्रीराम के पूर्वजों के राज्य में अयोध्या राजधानी रही, श्रीराम का जन्म भी यहीं हुआ। श्रीराम ने भी अयोध्या को ही राजधानी बनाकर पूरे राज्य में शासन किया और इसका विस्तार किया। आज यहां श्रीराम के मंदिर का निर्माण पूरा हो गया है, यह सभी रामभक्तों की आस्था का केंद्र है। पूरे देश में इस उद्घाटन समारोह को लेकर उत्साह है और इसे दीपावली की तरह मनाया जा रहा है। मैं सभी रामभक्तों को इस उद्घाटन पर्व की शुभकामनाएं देता हूं।

रामायण का जटायु पक्षी गिद्ध, गरुड़ या कुछ और

अर्जेंटाविस यानी जटायु शिकारी पक्षियों की एक विलुप्त समूह का सदस्य था

प्रचलन से रामायण काल के जटायु पक्षी को गिद्धराज माना जाता है, यानी गिद्धों के राजा। हालांकि कई विद्वानों के अनुसार जटायु गिद्ध नहीं गरुड़ प्रजाती से थे। विज्ञान की खोज के अनुसार जाटायु नामक पक्षी की एक प्रजाती होती थी। इन्हें आसमान में उड़ता हुआ छोटा डायनासोर मान सकते हैं। इसे टेराटोर्न कहते थे।

पौराणिक तथ्य

भगवान गरुड़ और उनके भाई अरुण दोनों ही प्रजापति कश्यप की पत्नी विनता के पुत्र थे। इन दोनों को देव पक्षी माना जाता था। गरूड़जी विष्णु की शरण में चले गए और अरुणजी सूर्य के सारथी हुए। सम्पाती और जटायु इन्हीं अरुण के पुत्र थे। चूंकि अरुण एक गरूड़ प्रजाती के पक्षी थे तो सम्पाती और जटायु को भी गरूड़ ही माना जाना चाहिए। रामायण अनुसार जटायु गृध्रराज थे और वे ऋषि ताक्षर्य कश्यप और विनीता के पुत्र थे। गृध्रराज एक गिद्ध जैसे आकार का पर्वत था। दोनों को कई जगहों पर गिद्धराज तो कुछ जगहों पर गरूड़ बंधु कहा गया है।

पुराणों के अनुसार सम्पाती बड़ा था और जटायु छोटा। ये दोनों विंध्याचल पर्वत की तलहटी में रहने वाले निशाकर ऋषि की सेवा करते थे और संपूर्ण दंडकारण्य क्षेत्र विचरण करते रहते थे। एक ऐसा समय था जबकि महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में गिद्ध और गरूढ़ पक्षियों की संख्या अधिक थी लेकिन अब नहीं रही।

टेराटोर्न

नेशनल जियोग्राफिक की रिपोर्ट के अनुसार करीब 60 लाख साल पहले अर्जेंटीना के आसामान में टेराटोर्न नामक एक विशालकाय शिकारी पक्षी हुआ करता था। इसे ही जटायु माना गया है। कहते हैं कि इसका वजन 70 किलोग्राम था और इसके पंखों का फैलाव 7 मीटर था। यह Cessna 152 लाइट एयरक्राफ्ट के बराबर था।

रिपोर्ट के मुताबिक अर्जेंटाविस यानी जटायु शिकारी पक्षियों की एक विलुप्त समूह का सदस्य था जिसे टेराटोर्न यानी राक्षस पक्षी कहा जा सकता है। शोधानुसार इन पक्षियों का संबंध आज के गिद्धों और सारस के साथ ही तुर्की के गिद्धों और कंडोर्स से माना जाता है।

भगवान राम का जन्म लाखों वर्ष पहले हुआ था या 5114 ईसा पूर्व?

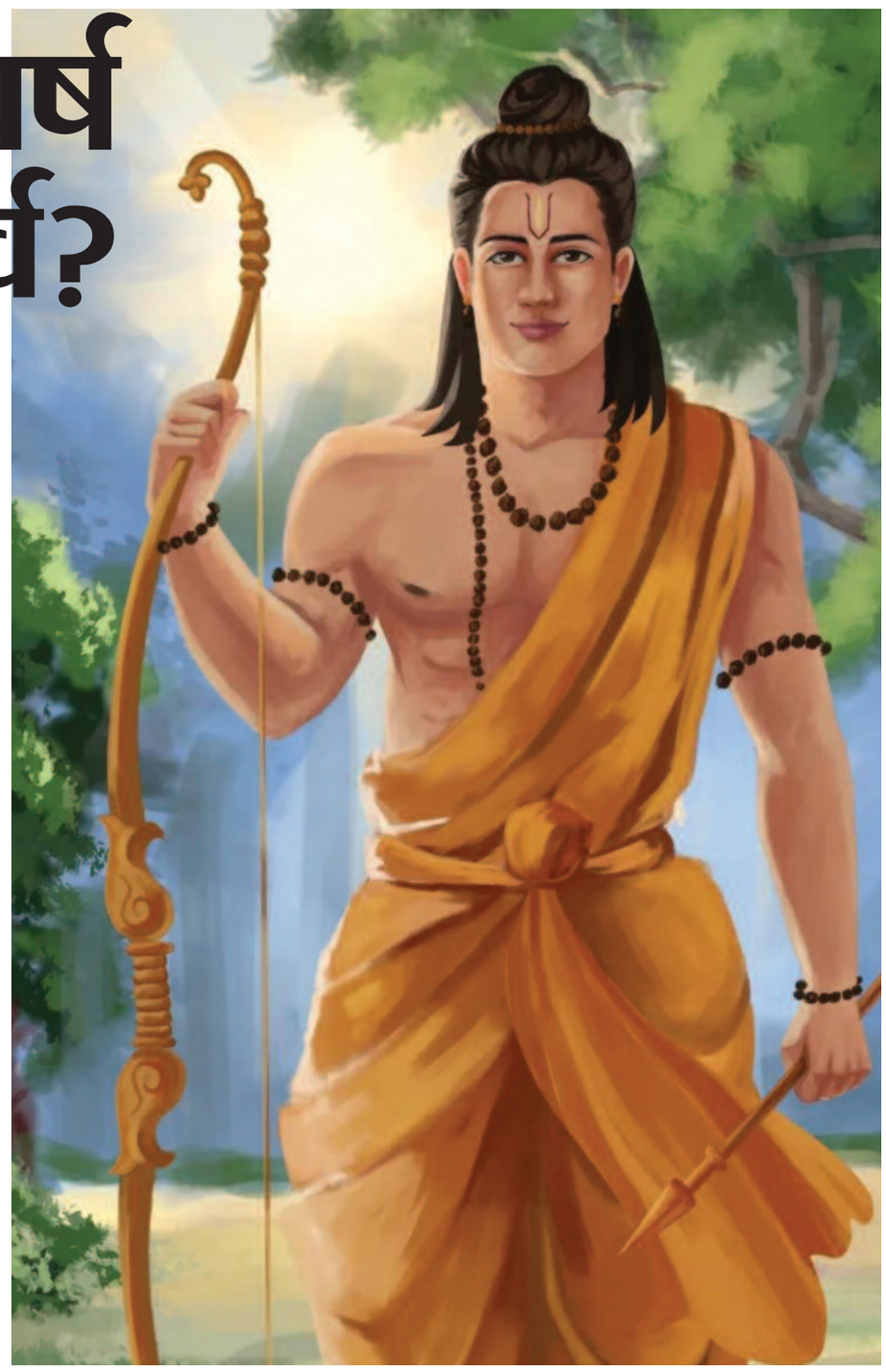

युग की धारणा हमें पुराण और ज्योतिष में तीन तरह से मिलती है। पहली वह जिसमें एक युग लाखों वर्ष का होता है और दूसरी वह जिसमें एक युग 5 वर्ष का होता है और तीसरी वह जिसमें एक युग 1250 वर्ष का है। हम तीनों के मान से श्रीराम के जन्म को समझने के बाद आधुनिक युग में हुए शोध को समझते हैं।

पहली लाखों वर्ष के एक युग की धारणा-

पुराणों के अनुसार प्रभु श्रीराम का जन्म त्रेतायुग और द्वापर युग के संधिकाल में हुआ था। सतयुग लगभग 17 लाख 28 हजार वर्ष, त्रेतायुग 12 लाख 96 हजार वर्ष, द्वापर युग 8 लाख 64 हजार वर्ष और कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का बताया गया है। कलियुग का प्रारंभ 3102 ईसा पूर्व से हुआ था। इसका मतलब 3102+2019= 5121 वर्ष कलियुग के बित चुके हैं।

उपरोक्त मान से अनुमानित रूप से भगवान श्रीराम का जन्म द्वापर के 864000 + कलियुग के 5121 वर्ष = 869121 वर्ष अर्थात 8 लाख 69 हजार 121 वर्ष हो गए हैं प्रभु श्रीराम को हुए। कहते हैं कि वे 11 हजार वर्षों तक जिंदा वर्तमान रहे। परंपरागत मान्यता अनुसार द्वापर युग के 8,64,000 वर्ष + राम की वर्तमानता के 11,000 वर्ष + द्वापर युग के अंत से अब तक बीते 5,121 वर्ष = कुल 8,80,111 वर्ष। अतएव परंपरागत रूप से राम का जन्म आज से लगभग 8,80,111 वर्ष पहले माना जाता है।

दूसरी 5 वर्ष का एक युग की धारणा-

भारतीय ज्योतिषियों ने समय की धारणा को सिद्ध धरती के सूर्य की परिक्रमा के आधार पर नहीं प्रतिपादित किया है। उन्होंने संपूर्ण तारामंडल में धरती के परिभ्रमण के पूर्ण कर लेने तक की गणना करके वर्ष के आगे के समय को भी प्रतिपादित किया है। वर्ष को 'संवत्सर' कहा गया है। 5 वर्ष का 1 युग होता है। संवत्सर, परिवत्सर, इद्वत्सर, अनुवत्सर और युगवत्सर ये युगात्मक 5 वर्ष कहे जाते हैं।

बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि 60 वर्षों में 12 युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में 5-5 वत्सर होते हैं। 12 युगों के नाम हैं- प्रजापति, धाता, वृष, व्यय, खर, दुर्मुख, प्लव, पराभव, रोधकृत, अनल, दुर्मति और क्षय। प्रत्येक युग के जो 5 वत्सर हैं, उनमें से प्रथम का नाम संवत्सर है। दूसरा परिवत्सर, तीसरा इद्वत्सर, चौथा अनुवत्सर और 5वां युगवत्सर है। इस मान से देखें तो कलिकाल के 5121 में ही कई युग बित गए हैं।

1250 वर्ष का एक युग-

एक पौराणिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक युग का समय 1250 वर्ष का माना गया है। इस मान से चारों युग की एक चक्र 5 हजार वर्षों में पूर्ण हो जाता है। यदि इस मान से देखें तो द्वापर और कलियुग के 2500 वर्ष बीत चुके हैं। मतलब यह कि 2500 वर्ष पूर्व श्रीराम हुए थे क्या। यदि यह मान लेते हैं कि यह चार युगों का तीसरा चक्र चल रहा है तो निश्चित ही फ्रि श्रीराम का जन्म 5000 ईसा वर्ष पूर्व हुआ होगा।

हम यह धारणा क्यों नहीं मानते?

क्योंकि पहली बात तो यह कि युग का मान स्पष्ट नहीं है। दूसरी बात यह कि यदि आप भगवान श्रीराम की वंशावली के मान से गणना करते हैं तो यह लाखों नहीं हजारों वर्ष की बैठती है। जैसे श्रीराम के बाद उनके पुत्र लव और कुश हुए फ्रि उनकी पीढ़ियों में आगे चलकर महाभारत काल में शल्य हुए। एक शोधानुसार कुश की 50वीं पीढ़ी में शल्य हुए, जो महाभारत युद्ध में कौरवों की ओर से लड़े थे। इसके अलावा शल्य के बाद बहत्क्षय, ऊरुक्षय, बत्सद्रोह, प्रतिव्योम, दिवाकर, सहदेव, ध्रुवाश्व, भानुरथ, प्रतीताश्व, सुप्रतीप, मरुदेव, सुनक्षत्र, किन्नराश्रव, अन्तरिक्ष, सुषेण, सुमित्र, बृहद्रज, धर्म, कृतज्जय, व्रात, रणज्जय, संजय, शाक्य, शुद्धोधन, सिद्धार्थ, राहुल, प्रसेनजित, क्षुद्रक, कुलक, सुरथ, सुमित्र हुए। वर्तमान में जो सिसोदिया, कुशवाह (कछवाह), मौर्य, शाक्य, बैछला (बैसला) और गैहलोत (गुहिल) आदि जो राजपूत वंश हैं वे सभी भगवान प्रभु श्रीराम के वंशज है। जयपूर राजघराने की महारानी पद्मिनी और उनके परिवार के लोग की राम के पुत्र कुश के वंशज है। महारानी पद्मिनी ने एक अंग्रेजी चैनल को दिए में कहा था कि उनके पति भवानी सिंह कुश के 309वें वंशज थे। अब यदि तीन पीढ़ियों का काल लगभग 100 वर्ष में पूर्ण होता है तो इस मान से श्रीराम को हुए कितने हजार वर्ष हुए हैं आप इस 309 पीढ़ी के मान से अनुमान लगा सकते हैं।

आधुनिक शोध की धारणा-

उपरोक्त धारणा से भिन्न आधुनिक शोध पर आधारित धारणा ज्यादा सही लगती है। इस शोध का आधार रामायण में बताई गई खगोलीय स्थिति और देशभर में बिखरे सबूत हैं। उन सबूतों का कार्बन डेटिंग के आधार पर जांच कर उसका मिलान रामायण में बताए गए घटनाक्रम से किया गया है।

इस शोधानुसार 5114 ईसा पूर्व 10 जनवरी को दिन के 12.05 पर भगवान राम का जन्म हुआ था जबकि सैंकड़ों वर्षों से चैत्र मास (मार्च) की नवमी को रामनवमी के रूप में मनाया जाता रहा है। एक अन्य शोख के अनुसार राम की जन्म दिनांक वाल्मीकि द्वारा बताए गए ग्रह-नक्षत्रों के आधार पर प्लैनेटेरियम सॉफ्टवेयर अनुसार 4 दिसंबर 7323 ईसा पूर्व अर्थात आज से 9339 वर्ष पूर्व हुआ था। राम के जन्म पर कई शोध हुए हैं लेकिन सबसे सटीक शोध प्रोफेसर तोबयस का रहा।

वाल्मीकि के अनुसार श्रीराम का जन्म चैत्र शुक्ल नवमी तिथि एवं पुनर्वसु नक्षत्र में जब पांच ग्रह अपने उच्च स्थान में थे तब हुआ था। इस प्रकार सूर्य मेष में 10 डिग्री, मंगल मकर में 28 डिग्री, ब्रहस्पति कर्क में 5 डिग्री पर, शुक्र मीन में 27 डिग्री पर एवं शनि तुला राशि में 20 डिग्री पर था। (बाल कांड 18/श्लोक 8, 9)।

शोधकर्ता डॉ. वर्तक पीवी वर्तक के अनुसार ऐसी स्थिति 7323 ईसा पूर्व दिसंबर में ही निर्मित हुई थी, लेकिन प्रोफेसर तोबयस के अनुसार जन्म के ग्रहों के विन्यास के आधार पर 10 जनवरी 5114 ईसा पूर्व हुआ था। उनके अनुसार ऐसी आका ?शीय स्थिति तब भी बनी थी। तब 12 बजकर 25 मिनट पर आकाश में ऐसा ही दृष्य था जो कि वाल्मीकि रामायण में वर्णित है।

ज्यातादर शोधकर्ता प्रोफेसर तोबयस के शोध से सहमत हैं। इसका मतलब यह कि राम का जन्म 10 जनवरी को 12 बजकर 25 मिनट पर 5114 ईसा पूर्व हुआ था।

ओह माय वाइफ! सीरीज में पहली बार एक पुलिस वाले की भूमिका निभा रहे हैं लोकेश बट्टा

अभिनेता लोकेश बट्टा ने अपने करियर में पहली बार वॉचो एक्सक्लूसिव वेब सीरीज ओह माई वाइफ! में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई। हाल ही में वॉचो पर लॉन्च हुए इस शो में वे रणबीर के रूप में दिखाई दे रहे हैं, जो एक पुलिस अधिकारी हैं और एक हाई प्रोफ़ाइल हत्या मामले की जांच कर रहे हैं। अभिनेता ने इस सीरीज के लिए अपनी हामी भरने के पीछे के कारणों और इस किरदार के लिए अपनी तैयारी और लोगों से मिली प्रतिक्रिया का खुलासा करते हुए कई ख़ास बातें बताई। ओह माई वाइफ के लिए हाँ कहने और इसकी प्रेरणा के बारे में बात करते हुए अभिनेता लोकेश बत्ता ने कहा, इस सीरीज की कहानी अपने आप में बहुत प्रभावशाली थी और मुझे यह स्वीकार करना होगा कि मेरा किरदार इतनी खूबसूरती से लिखा गया था कि मुझे लगा जैसे यह मेरे लिए ही बना है। इसके अलावा, जिस तरह से निर्देशक शौर्य सिंह ने इसे मेरे सामने पेश किया, मैं इसके लिए हाँ कहने से खुद को रोक नहीं पाया। मेरा किरदार एक साहसी, मजबूत और गंभीर रूप से सोचने वाला व्यक्ति है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह एक बहुत सक्रिय श्रोता है और यह खूबियां एक पुलिस वाले के लिए बहुत जरूरी है। इन सभी गुणों ने मुझे चरित्र की ओर आकर्षित किया और हमने केवल एक या दो शॉट में सब कुछ बड़ी तेज़ी से शूट किया।

वर्ष 2024 की पहली ब्लॉकबस्टर होगी फाइटर

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म फाइटर का टीजर कुछ दिन पहले ही आया था। फिल्म की प्रोडक्शन वैल्यू, शानदार विजुअल्स और एक्शन का जो हिंट टीजर में मिला था, उसने जनता को फिल्म देखने के लिए बहुत एक्साइटेड कर दिया था। फिल्म के तीन गाने भी आ चुके हैं और इन्हें खूब पसंद किया जा रहा है। मगर मेकर्स ने फाइटर के प्रमोशन का सबसे दमदार हथियार, फिल्म का ट्रेलर रिलीज से कुछ दिन पहले के लिए बचा कर रखा था। अब फाइनली फिल्म का ट्रेलर आ गया है और इसे देखने के बाद जनता यही चाहेगी कि फाइटर जल्दी से थिएटर्स में पहुंचे।

2019 में वॉर और पिछले साल पठान जैसी तूफानी एक्शन एंटरटेनर डिलीवर करने के बाद, डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद फाइटर लेकर आ रहे हैं। ये पहली बार है जब बॉलीवुड फिल्म में एरियल एक्शन ट्राई किया जा रहा है। फाइटर के विजुअल्स बता रहे हैं कि सिद्धार्थ ने एक बार फिर से अपनी फिल्म में एक्शन को एक नए लेवल पर पहुंचा दिया है।

फाइटर का ट्रेलर बताता है कि इंडियन एयरफोर्स ने देश की सुरक्षा पर खतरा होने की सूरत में, तुरंत जवाब देने के लिए एक क्विक रिस्पॉन्स टीम बनाई है। शमशेर पठानिया उर्फ़ पैटी (ऋतिक रोशन) और मीनल राठौर यानी मिनी दीपिका पादुकोण, इसी टीम का हिस्सा हैं।

इस टीम को लीड कर रहे ग्रुप कैप्टन राकेश जय सिंह यानी रॉकी का ऑर्डर है कि सब लोग आपसी बॉन्डिंग टाइट रखें क्योंकि मुश्किल दौर में यही काम आएगा। लेकिन पैटी का कॉन्फिडेंस उसे बाकियों के बीच एरोगेंट का टैग दिलाता है। देश पर पुलवामा हमले के बाद इस टीम को में आतंकियों पर अटैक करने का टास्क मिला है।

इस टास्क के अलावा पैटी और मिनी की लव स्टोरी भी कहानी का हिस्सा है। फिल्म में भारी एक्शन के साथ सॉलिड डायलॉगबाजी भी है और हमले के जवाब में जब एक पॉलिटिशियन टाइप किरदार कहता है कि इस ऑपरेशन के जरिए भारत बताएगा बाप कौन है... तो ट्रेलर रोंगटे खड़े कर देता है। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण इंडिया के दो सबसे गुड लुकिंग एक्टर्स हैं। ऑडियंस हमेशा से इन दोनों को एकसाथ एक फिल्म में देखना चाहती थी। फाइटर के सॉलिड एक्शन के बीच, पायलट के रोल में इन दोनों को देखना तो एक कमाल का एक्सपीरियंस है ही, साथ ही फिल्म की सपोर्टिंग कास्ट में भी बड़े-बड़े नाम हैं। वेटरन एक्टर अनिल कपूर जहां ग्रुप कैप्टन रॉकी सिंह के रोल में हैं, वहीं उनके साथ करण सिंह ग्रोवर, अक्षय ओबेरॉय और संजीदा शेख जैसे कलाकार हैं।

फाइटर का ट्रेलर बता रहा है कि ये बड़े पर्दे पर धमाका करने वाली तगड़ी फिल्म है। इसके विजुअल्स बहुत दमदार लग रहे हैं और ऋतिक-दीपिका की केमिस्ट्री भी सॉलिड नजर आ रही है। फाइटर जेट्स के एक्शन और कहानी के इमोशन इस गणतंत्र दिवस पर जनता को देशभक्ति के मूड में पूरी तरह डुबोने का काम करेंगे। फाइटर 25 जनवरी को थिएटर्स में रिलीज हो रही है। ट्रेलर के बाद मेकर्स अब फिल्म की एडवांस बुकिंग भी जल्द ही शुरू करने वाले हैं।

विद्युत जामवाल और नोरा फतेही की फिल्म क्रैक 23 फरवरी को रिलीज होगी

विद्युत जामवाल और नोरा फतेही की अपकमिंग फिल्म 'क्रैक-जीतेगा तो जिएगा' का पहला गाना 'दिल झूम' रिलीज कर दिया गया। गाने में विद्युत और नोरा की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिली है। बता दें विद्युत जामवाल फिल्म 'क्रैक-जीतेगा तो जिएगा' में नोरा फतेही के साथ पहली बार नजर आएंगे। फिल्म का पहला गाना रिलीज होने के बाद से उनके फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें 'क्रैक' एक स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म होगी। 'दिल झूम' गाने में विद्युत जामवाल और नोरा के बीच रोमांटिक केमिस्ट्री दिखाई गई है। बता दें दोनों पहली बार एक साथ काम कर रहे हैं। उनके फैंस को ये जोड़ी खूब पसंद आ रही है। गाने की शुरुआत कुछ ऐसे होती है कि विद्युत कार के सामने खड़े रहते हैं, सामने से नोरा हाथ में कॉफी लेकर आती दिखाई देती हैं। पूरे गाने में दोनों अपने स्पेशल मोमेंट्स को एन्जॉय करते नजर आ रहे हैं। टीजर में नोरा फतेही, अर्जुन रामपाल और एमी जैक्सन भी नजर आ रहे हैं। एमी जैक्सन की हाथ में गन लिए कमाल की झलक दिखाई दी है। वहीं अर्जुन रामपाल और नोरा फतेही भी शानदार अंदाज में नजर आए हैं। एक बार फिर कमांडो-3 के डायरेक्टर आदित्य दत्त और एक्टर विद्युत जामवाल साथ काम कर रहे हैं। ऐसे में जाहिर सी बात है कि फिल्म में एक्शन, रोमांच, थ्रिल की कोई कमी नहीं होगी। इस फिल्म के को-प्रोड्यूसर भी विद्युत जामवाल हैं। फिल्म 23 फरवरी को विद्युत के प्रोडक्शन हाउस एक्शन हीरो फिल्म्स तले सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मजबूरी में एक्टर बने विजय सेतुपति, अब फीस 15 करोड़

विजय सेतुपति आज 46 साल के हो गए हैं। इन्हें आपने शाहरुख खान स्टारर फिल्म 'जवान' में विलेन काली गायकवाड़ के रोल में देखा होगा। 12 जनवरी, 2024 को इनकी एक और फिल्म 'मैरी क्रिसमस' रिलीज हुई है। इसमें वो कटरीना कैफ के अपोजिट नजर आए हैं। इन दो हिंदी फिल्मों के अलावा विजय ने साउथ की कई बड़ी फिल्मों में काम किया है; जैसे विक्रम वेधा, सुपर डीलक्स आदि। वो तमिल सिनेमा के चर्चित सुपरस्टार्स में से एक हैं। उन्होंने अपने 10 साल लंबे करियर में तकरीबन 50 फिल्मों में काम किया है, लेकिन विजय के लिए इस मुकाम तक पहुंचना आसान नहीं था। शुरुआती दिनों में उन्होंने कैशियर, सेल्समैन, फोन बूथ ऑपरेटर जैसी छोटी-मोटी नौकरियां कीं। ज्यादा सैलरी के लालच में इंडिया छोड़कर दुबई तक चले गए, लेकिन बात नहीं बनी। एक्टिंग से उनका कोई वास्ता नहीं था, लेकिन साउथ के फेमस डायरेक्टर की एक बार उन पर नजर पड़ी। उन्हें विजय का चेहरा काफी फोटोजेनिक लगा। इस डायरेक्टर ने उन्हें फिल्मों में काम करने की सलाह दी। विजय ने ये सलाह मानकर फिल्मों में किस्मत आजमाई और नतीजा सबके सामने है। वो अब तक अपने फिल्मी करियर में एक नेशनल अवॉर्ड समेत कई अवॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। विजय ने एक्टिंग की कोई ट्रेनिंग नहीं ली, लेकिन टीवी सीरियल और फिल्मों में काम करते हुए ही वो इसकी बारीकियों पर ध्यान देने लग गए। एक इंटरव्यू में विजय ने कहा था, उस दौरान मैंने सिनेमा के बारे में सीखना शुरू कर दिया था, स्क्रिप्ट क्या होती है, डायलॉग डिलीवरी क्या होती है। ये सब मुझे काम करने के दौरान ही समझ में आया। मैंने असिस्टेंट डायरेक्टर्स को अपना दोस्त बना लिया और उनके साथ फिल्म देखने जाता था। वो कहते थे-ये बैकग्राउंड म्यूजिक अच्छा है। ये सीन अच्छे से शूट नहीं किया, ये सीन अच्छा है आदि। इससे मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।

फिल्म जिगरा में नजर आ सकते हैं वेदांग रैना

आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा में वेदांग रैना नजर आ सकते हैं। फिल्म में उन्हें आलिया के भाई के रोल में देखा जा सकता है। हालांकि, मेकर्स या वेदांग की तरफ में इस खबर को सही करार नहीं किया गया है। वेदांग रैना का कहना है कि उन्हें खुशी होगी, अगर वो इतने बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनेंगे। मगर, उन्हें भी इससे जुड़ी जानकारी नहीं है। वेदांग को हाल ही में फिल्म आर्चीज में देखा गया था। इस डेब्यू फिल्म की शूटिंग के पहले दिन वो बहुत नर्वस थे। इस बात का खुलासा उन्होंने खुद एक हालिया इंटरव्यू में किया है। वेदांग ने बताया कि वो कभी एक्टर नहीं बनना चाहते थे। वो म्यूजिक फील्ड में अपना करियर बनाना चाहते थे। 17 या 18 साल की उम्र में उन्होंने अपना पोर्टफोलियो एक एजेंसी को भेजा और वहीं से ऑडिशन देने का सिलसिला शुरू हुआ। फिल्म जिगरा में काम करने के सवाल पर उन्होंने कहा- हर कोई मुझसे यह पूछता रहता है, लेकिन मुझे भी इस बारे में कुछ नहीं पता है। इस तरह के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना बहुत बड़ी बात है। अफवाहें हमेशा उड़ती रहेंगी, लेकिन आलिया भट्ट के भाई का किरदार निभाना एक बहुत ही दिलचस्प मौका है। बता दें, फिल्म जिगरा में आलिया पहली बार एक्शन अवतार में नजर आएंगी। फिल्म करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है। फिल्म 27 सितंबर 2024 को रिलीज होगी। वेदांग ने फिल्म आर्चीज में पहली बार खुशी कपूर के साथ काम किया था। उन्होंने खुशी कपूर के साथ अपनी बॉन्डिंग पर बात करते हुए कहा कि उन्हें लगा था कि पहला दिन तनाव में बीतेगा। वो इस बात को लेकर परेशान थे कि खुशी के उनकी दोस्ती हो पाएगी या नहीं। मगर, कुछ समय में दोनों बहुत दोस्त बन गए। खुशी के साथ उनका यह सफर अच्छा रहा।

इंडियन पुलिस फॉर्स के लिए शिल्पा ने बढ़ाया वजन

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी इंडियन पुलिस फॉर्स के साथ अपना ओटीटी डेब्यू कर रही हैं। निर्देशक रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की वे पहली फीमेल कॉप हैं। अमेजॉन प्राइम वीडियो पर 19 जनवरी को रिलीज़ की जाएगी। इस सीरीज़ में शिल्पा, सशक्त महिला पुलिसकर्मी तारा शेट्टी की भूमिका निभाएंगी। हेल्थ और फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जानी जाने वाली प्रसिद्ध अभिनेत्री ने गुस्सैल महिला पुलिसकर्मी की भूमिका के लिए अपनी तैयारी के बारे में खुलकर बात की। अनुशासन और निरंतरता के महत्व पर जोर देते हुए, शिल्पा ने कहा, आपको अनुशासन और निरंतरता की आवश्यकता है। मेरी दिनचर्या और जीवनशैली काफी संतुलित है। मैं अपना रात का खाना शाम 7 बजे तक खा लेती हूं और 14 घंटे का उपवास रखती हूं। मैं आमतौर पर उच्च प्रोटीन लॉ कार्ब डायट का पालन करती हूं लेकिन जब आप काम कर रहे होते हैं, तो आपको भूमिका और उसकी आवश्यकताओं के अनुरूप ढलने की आवश्यकता होती है। रोहित चाहते थे कि मैं अपने पैरो के वज़न क्योंकि वह एक सख्त अधिकारी चाहते थे। इसलिए चरित्र में ढलने के लिए, मैंने अपना डायट बदल दिया और अतिरिक्त वजन बढ़ाये।

रकुल प्रीत सिंह ने किया खुलासा कैसे पड़ीं जैकी भगनानी के प्यार में

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह कुछ दिनों से सुर्खियों में बनी हुई हैं। ऐसी अफवाह है कि अभिनेत्री इस साल फरवरी में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड जैकी भगनानी से शादी कर लेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रकुल और जैकी 22 फरवरी को गोवा में सात फेरे लेंगे। इस जोड़े को पिछले हफ्ते मुंबई में राम मंदिर प्रतिकृति रथ पर पूजा करते हुए भी देखा गया था। रकुल के लिए हाल ही में एक और बड़ी उपलब्धि यह रही है कि उन्होंने बॉलीवुड में एक दशक पूरा कर लिया है। इसी कड़ी में रकुल प्रीत सिंह ने इंडस्ट्री में अपने 10 साल पूरे करने और लव लाइफ पर खुलकर बात की है। रकुल प्रीत सिंह ने बॉलीवुड में 10 साल पूरे करने पर अपनी खुशी जाहिर की। अभिनेत्री ने कहा, मैं आज जहां हूं उससे बहुत संतुष्ट हूं। इंडस्ट्री से बाहर की होने के नाते, मुझे शुरू में नहीं पता था कि चीजों को कैसे करना है, लेकिन फिर मैं आभारी हूं कि चीजें मेरे लिए काम कर गईं। रकुल प्रीत सिंह ने अपने होने वाले पति जैकी भगनानी के बारे में भी बात की। उन्होंने साझा किया कि कैसे उनकी भावनात्मक अनुकूलता उन्हें पेशेवर रूप से भी मदद करती है। रकुल ने बताया, मैं काफी लंबे समय से सिंगल थी, लेकिन पार्टनर का होना एक बहुत ही स्वाभाविक प्रक्रिया है। दुर्भाग्य से, यदि आप फिल्मी जगत का हिस्सा हैं तो बहुत सारी अटकलें हैं। लेकिन हम सभी मनुष्य हैं जो भावनात्मक अनुकूलता और निर्भरता चाहते हैं। हालांकि, मैं एक बहुत ही स्वतंत्र लड़की हूं, फिर भी ऐसे दिन आते हैं जब मैं अपनी छुट्टी के दिनों में सिर्फ जैकी से बातें करना चाहती हूं। रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने साल 2021 में अभिनेता के जन्मदिन पर अपने रिश्ते को आधिकारिक बना दिया। रकुल प्रीत सिंह ने आगे जोड़ा, लेकिन वह मेरे प्रोफेशनल स्पेस को समझते हैं क्योंकि वह उसी इंडस्ट्री से हैं और इससे एक महिला के तौर पर मैं उनके साथ काफी सुरक्षित महसूस करती हूं। भावनात्मक संतुलन बनाए रखने से मैं पेशेवर तौर पर जो भी करती हूं, उस पर असर पड़ता है। हालांकि उन्होंने अपनी शादी की खबरों पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन रकुल ने इस बारे में विस्तार से बात की कि वह जैकी के साथ कार्य-जीवन संतुलन कैसे बनाए रखना पसंद करती हैं।

1265 किलो का लड्डू हैदराबाद से पहुंचा अयोध्या, प्रतिमा को लेकर जांच की मांग

अयोध्या ।अयोध्या में जहां अनुष्ठान के पांचवे दिन 1265 किलो का लड्डू हैदराबाद से बनकर पहुंच गया है, वहीं रामलला की प्रतिमा को लेकर जांच की मांग की जा रही है।दरअसल जिस प्रतिमा का चित्र वायरल हुआ है, उसमें आंखों पर पट्टी नहीं है, लेकिन मंदिर में अभी प्रतिमा का अनावरण ही नहीं हुआ है, ऐसे में यह तस्वीर कैसे वायरल हो रही है।भव्य राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए हैदराबाद से 1265 किलो का लड्डू का प्रसाद अयोध्या पहुंचा है। इस लड्डू को तैयार करने वाले श्रीराम केटरिंग सर्विस के एन नागाभूषणम ने कहा कि भगवान ने मेरे परिवार और व्यापार को आशीर्वाद दिया है। मैंने प्रतिज्ञा की थी कि जब तक मैं जीवित हूं, प्रत्येक दिन एक किलो लड्डू बनाऊंगा। उन्होंने कहा कि मैं भोजन प्रमाणपत्र भी लाया हूं।ये लड्डू एक महीने तक चल सकते हैं।25 लोगों ने 3 दिन तक लड्डू तैयार किए। मिली जानकारी के मुताबिक भव्य राम मंदिर में 7 दिनों तक चलने वाले धार्मिक अनुष्ठान का आज 5वां दिन है। राम मंदिर गर्भग्रह में रामलला की मूर्ति को बुधवार को स्थापित कर दिया गया।

रामलला प्रतिमा को लेकर भी जांच की मांग उठ रही है।दरअसल बीते शुक्रवार 19 जनवरी से ही रामलला की प्रतिमा की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।वायरल तस्वीर में रामलला की आंखों पर पट्टी बंधी हुई है।इसके अलावा जो तस्वीरें वायरल हो रही हैं उसमें प्रतिमा की आंखों पर पट्टी नहीं बंधी है। इसे लेकर ही जांच की मांग की जा रही है।इस बात को लेकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा पूरी होने से पहले भगवान राम की मूर्ति की आंखें नहीं खोली जा सकतीं।जिस मूर्ति में भगवान राम की आंखें दिखाई दे रही है, वह असली मूर्ति नहीं है।वहीं लोगों का कहना है ?कि अगर आंखें देखी जा सकती हैं तो आंखें किसने दिखाई और मूर्ति की तस्वीरें कैसे वायरल होने की भी जांच होनी चाहिए।

शिरोमणि अकाली दल की पंजाब बचाओ यात्रा 1 फरवरी से शुरु होगी

चंडीगढ़ ।शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की पंजाब बचाओ यात्रा 1 फरवरी को अटारी में भारत-पाक सीमा से शुरू होकर एक महीने के दौरान राज्य के 43 इलाकों को कवर करेगी।पार्टी अध्यक्ष सुखबीर बादल अकाल तख्त साहिब पर माथा टेकने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ यात्रा की अगुवाई करने वाले हैं। पार्टी मुख्यालय में शिअद के सीनियर नेता डॉ.दलजीत चीमा ने कहा कि यह यात्रा कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) दोनों को उजागर करेगी और राज्य के विकास में लगातार अकाली सरकारों का योगदान भी प्रदर्शित करेगी। उन्होंने कहा, पिछली कांग्रेस और वर्तमान आप सरकार दोनों ने विकास, रोजगार, किसानों, व्यापारियों और समाज के कमजोर वर्गों की स्थिति में सुधार करने में नाकाम रहने के अलावा सभी वादों से मुकर कर पंजाबियों को धोखा दिया है। 1 फरवरी को अटारी और राजा सांसी, 2 फरवरी को अजनाला और मजीठिया, 5 फरवरी को अमृतसर शहर के 5 इलाके, 6 फरवरी को जंडियाला गुरु और बाबा बकाला, 7 फरवरी को खडूर साहिब और तरनतारन, 8 फरवरी को पट्टी और खेमकरण, 9 फरवरी ज़ीरा और फिरोजपुर शहर, 12 फरवरी को फिरोजपुर ग्रामीण और फरीदकोट,13 फरवरी कोटकपुरा और जैतों, 14 फरवरी को गिद्दड़बाहा और मुक्तसर, 15 फरवरी को गुरुहरसहाय और जलालाबाद, 16 फरवरी को फाजिल्का और अबोहर, 19 फरवरी को बल्लुआणा और मलोट, 20 फरवरी को लंबी और बठिंडा ग्रामीण, 21 फरवरी को भूच्चों मंडी और बठिंडा शहरी, 22 फरवरी को बाघापुराना और निहालसिंह वालां, 23 फरवरी को धर्मकोट और मोगा, 26 फरवरी को रामपुरा और मौड़ मंडी, 27 फरवरी को बुढ़लाडा और मानसा, 28 फरवरी को सर्दुलगढ़ और तलवंडी साबो में जाकर खत्म होगी।

ईडी ने सटोरिया लोकेश की आठ करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली ।मध्यप्रदेश से इनदिनों बड़ी खबर सामने आई है।इंदौर सहित भोपाल और महू जिले में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है।ईडी की टीम ने ऑनलाइन सटोरिया की लगभग आठ करोड़ की संपत्ति कुर्क कर ली है।महू के सटोरियों लोकेश ऊर्फ राजा वर्मा पर ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। आठ करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क की गई है।ईडी ने इंदौर, महू और भोपाल के 10 से अधिक मकान और बैंक खातों को सील किया है।बताया जाता है कि ऑनलाइन सट्टा खिलाकर करोड़ों की अवैध संपत्ति बनाई थी। बीते 27 अक्टूबर को लोकेश के ठिकानों पर ईडी ने बड़ी कार्रवाई की थी। उसके बाद शनिवार को संपत्ति कुर्क की कार्रवाई को अंजाम दिया गया है।ईडी की कार्रवाई से शहर में हड़कंप की स्थिति है।ईडी के मुताबिक, यह व्यक्ति मामले का मुख्य साजिशकर्ता है। ईडी ने कहा कि लोकेश वर्मा उर्फ राजा वर्मा की दस अचल संपत्तियों और 5 बैंक खातों को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत कुर्क किया गया है। इसमें कहा गया है कि इन संपत्तियों का कुल मूल्य 8.89 करोड़ रुपये है।एजेंसी ने कहा कि अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी एप जैसे 'धनगेम्स' और 'सट्टा मटका' मध्य प्रदेश, कर्नाटक और देश के अन्य हिस्सों में लोगों को ''लुभाने'' के लिए संचालित किए जा रहे थे।

घाटी में नहीं हुई बर्फबारी, भीषण गर्मी को लेकर दहशत में लोग

श्रीनगर ।भले ही कठोर सर्दी की 40 दिनों की लंबी अवधि जिसे चिल्लई कलां कहा जाता है, शनिवार से कम समय में समाप्त हो रही है, लेकिन कश्मीरी बर्फ रहित सर्दी से डरे हुए हैं जो गर्मियों के महीनों में आपदा का कारण बनेगी।मौसम विभाग के अधिकारी ने कहा, हम 26 जनवरी से अलग-अलग स्थानों पर हल्की बर्फबारी की उम्मीद कर रहे हैं। लेकिन अभी तक, जम्मू-कश्मीर के पास कोई बड़ा पश्चिमी विक्षोभ नहीं आया है। श्रीनगर में शनिवार को न्यूनतम तापमान माइनस 3.7, गुलमर्ग में माइनस 4.6 और पहलगाम में माइनस 5.5 रहा।जबकि लद्दाख क्षेत्र के लेह शहर में न्यूनतम तापमान माइनस 13, कारगिल में माइनस 10.8 और द्रास में माइनस 12.8 रहा।जम्मू शहर में रात का न्यूनतम तापमान 5.9, कटरा में 4.6, बटोत में 1.9, भद्रवाह में माइनस 0.4 और बनिहाल में माइनस 1.4 रहा।

कुत्ते के आतंक से परेशान दिल्लीवासी, दादा की गोद से मासूम को छीन लिया

नई दिल्ली।राजधानी दिल्ली और एनसीआर के रिहायशी इलाकों में इन दिनों कुत्तों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है।यहां एक दादा की गोद से मासूम को छीन कर नोचने की खबर ने सभी को विचलित कर दिया है।बता दें कि एक हफ्ते में दिल्ली से कुत्ते के काटने का दूसरा मामला सामने आया है।ताजा मामला बुराड़ी इलाके का है, जहां एक पिटबुल प्रजाति के कुत्ते ने डेढ़ साल की एक बच्ची को दादा की गोद से छीनकर बुरी तरह से काट लिया।बच्ची के पैर में तीन जगह फैक्चर हुए हैं।साथ ही कई जगहों पर टांके भी लगाए गए हैं।वह तो गनीमत रही कि कि कुछ लोग वहां मौजूद थे।जिन्होंने बड़ी मुश्किल से बच्ची को कुत्ते के जबड़े से छुड़ाया।बुराड़ी इलाके की उत्तराखंड कॉलोनी में घटी इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।घटना 2 जनवरी की है, पिटबुल के जानलेवा हमले में बच्ची बुरी तरह से घायल हो गई।वो 17 दिनों तक अस्पताल में रही हैं।इस घटना के बाद से इलाके के लोग दहशत के माहौल में हैं।परिजनों ने इस मामले की जानकारी बुराड़ी थाना पुलिस को भी दी हैं।सीसीटीवी फुटेज भी दिखाया गया, बावजूद इसके पुलिस ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की।उनका आरोप है कि पुलिस ने उन्हें मामला दर्ज कराने की बजाय कंप्रोमाइज करने के लिए दबाव बनाया।अभी तक इस बाबत ना तो पिटबुल कुत्ते को यहां से हटाया गया और ना ही उसके मालिक पर पु ?लिस द्वारा कोई कार्रवाई की गई।जबकि इससे पहले 16 जनवरी को रोहिणी के सेक्टर-25 इलाके में पड़ोसी के कुत्ते ने सात वर्षीय बच्ची पर हमला कर दिया।इस घटना में बच्ची को 15 से अधिक जगहों पर चोटें आईं।घटना नौ जनवरी को उस वक्त हुई जब एक अमेरिकन बुली नस्ल के कुत्ते ने कथित तौर पर बच्ची पर हमला कर दिया।घटना के वक्त बच्ची अपनी हाउसिंग सोसायटी के अंदर दोस्तों के साथ खेल रही थी।पशु अधिकार समूह पेटा ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर कुत्तों की पिटबुल और इसी तरह की अन्य नस्लों के पालने पर रोक लगाने की मांग की है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में तीन साल में नक्सलवाद से मुक्त होगा देश : शाह

तेजपुर(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा तेजपुर में एसएसबी परिसर में सशस्त्र सीमा बल के 60वें स्थापना दिवस में शामिल हुए। इस मौके पर शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 9 वर्षों में सभी सीएपीएफ, चाहे वह सीआरपीएफ हो या सीमा पर तैनात अन्य सभी संगठनों की सुविधाओं के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि भारत-चीन युद्ध के बाद 1963 में एसएसबी की स्थापना हुई और अटल जी ने जब वन बॉर्डर वन फोर्स की नीति लागू की, तब से एसएसबी बल 2001 से भारत-नेपाल सीमा और 2004 से भारत-भूटान सीमा की कर्तव्यनिष्ठा से रक्षा कर रहा है।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश अगले तीन साल में नक्सलवाद की समस्या से मुक्त होगा। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अगले तीन वर्षों में देश नक्सलवाद की समस्या से पूरी तरह छुटकारा पा लेगा। नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में एसएसबी की बहादुरी की सराहना कर शाह ने कहा कि सीआरपीएफ और बीएसएफ के साथ मिलकर एसएसबी ने नक्सली आंदोलन को खत्म कर दिया है।

शाह ने कहा कि मित्र देशों नेपाल और भूटान की सीमा की रक्षा के साथ-साथ एसएसबी ने छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार में नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। मैं जब भी इन इलाकों में नक्सल ऑपरेशन की समीक्षा के लिए गया हूं, तब आपकी बहादुरी के बारे में सुना है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने में एसएसबी की भूमिका पर शाह ने कहा जम्मू-कश्मीर में एसएसबी ने सीआरपीएफ, बीएसएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस और भारतीय सेना के साथ मिलकर आतंकवादियों के खिलाफ लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी है।

उन्होंने कहा कि सशस्त्र सीमा बल के 60वें स्थापना दिवस के मौके पर आज भारत सरकार ने एक डाक टिकट भी जारी किया। यह एसएसबी की कर्तव्य निष्ठा को देश के लोगों के सामने सदैव जीवित रखेगा। शाह ने कहा कि केंद्र सरकार ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) समेत सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और अन्य संगठनों के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं।

एक राष्ट्र, एक चुनाव को आप ने किया खारिज, बढ़ेगी खरीद-फरोख्त की बुराइयां

नई दिल्ली।आम आदमी पार्टी (आप) ने एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा का विरोध कर कहा है, कि एक साथ चुनाव संसदीय लोकतंत्र के विचार को नुकसान पहुंचाएंगे, क्योंकि इससे सक्रिय रूप से दल-बदल विरोधी और विधायकों और सांसदों की खुली खरीद-फरोख्त की बुराइयों को बढ़ावा देगा।एक राष्ट्र, एक चुनाव नितेन चंद्रा को लिखे पत्र में, आप के राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता ने कहा कि ओएनओई के कार्यान्वयन के साथ, संघ स्तर पर सत्तारूढ़ पार्टी को क्षेत्रीय पार्टियों और राज्यों में केंद्र-सत्तारूढ़ पार्टी से लड़ने वाली अन्य पार्टियों पर अनुचित लाभ मिलता है। एक राष्ट्र, एक चुनाव संसदीय लोकतंत्र के विचार, संविधान की मूल संरचना और देश की संघीय राजनीति को नुकसान पहुंचाएगा।आप ने कहा है कि संकीर्ण वित्तीय लाभ और प्रशासनिक सुविधा के लिए संविधान और लोकतंत्र के सिद्धांतों का बलिदान नहीं किया जा सकता है।सीएम केजरीवाल ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से जो लागत बचाने की कोशिश की जा रही है, वह भारत सरकार के वार्षिक बजट का मात्र 0.1 प्रतिशत है। आप नेता गुप्ता ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से भारतीय बहुदलीय प्रणाली पर हानिकारक प्रभाव पड़ेगा, जहां कई पार्टियां उन लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करने के लिए उभरी हैं जो मुख्यधारा से दूर थे।उन्होंने कहा कि आप का मानना है कि ओएनओई राष्ट्रीय एजेंडे के लिए खतरा है और बदले में, संघ स्तर पर शासन करने वाली पार्टी को क्षेत्रीय दलों और राज्यों में केंद्र-सत्तारूढ़ पार्टी से लड़ने वाले अन्य दलों पर अनुचित लाभ मिलता है।

अयोध्या राम मंदिर निर्माण में एक पैसा भी सरकार ने नहीं लगाया : सीएम योगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है ?कि अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में सरकार का एक पैसा भी नहीं लगा है। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण में जो कुछ भी लगा वो रामभक्तों ने ही दिया है। बता दें कि इस समय पूरा देश भगवान राम की भक्ती में डूब चुका है। अयोध्या के राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर में सरकार ने कितना चंदा दिया है, इसे लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि राम मंदिर निर्माण के लिए धनराशी कहां से आई है। सीएम योगी आदित्यानाथ ने अपने एक इंटरव्यू का वीडियो अपने ट्विटर हैंडल से पोस्ट किया है। इस वीडियो में सीएम योगी कह रहे हैं कि 'कारसेवकों ने बलिदान दिया। इसके लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मार्गदर्शन था, विश्व हिंदू परिषद का नेतृत्व था और पूज्य संतों का आशीर्वाद था। उस आंदोलन से रामजन्मभूमि में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। इसमें एक पाई भी सरकार ने नहीं

दिया है। एक पैसा ना केंद्र की सरकार ने ही दिया और ना ही राज्य की सरकार ने लगया।

सीएम योगी ने कहा कि ये सारा का सारा पैसा रामभक्तों ने देश भर से दिया है, दुनिया भर से दिया गया है।' उन्होंने बताया कि सरकार राम मंदिर के बाहर के इंफ्रास्ट्रक्चर, जैसे रेलवे स्टेशन का काम, एयरपोर्ट का निर्माण, गेस्ट हाउस बनाने का काम, क्रूज सेवा, सड़क का चौड़ीकरण, पार्किंग की सुविधा जैसे कामों पर पैसा खर्च कर रही है।' उन्होंने कहा कि 'ये सब काम सरकार की पॉलिसी के तहत हो रहा है।' गौरतलब है कि देशभर से राम मंदिर को लोग दिल खोल कर चंदा दे रहे हैं। मंदिर में भी खूब चढ़ावा आ रहा है। यहां रोजाना तीन से चार लाख रुपए दान में आ रहा है। पूरे महीने में यह रकम डेढ़ से दो करोड़ रुपए तक पहुंच रही है। जब?कि ऑनलाइन दान का अभी तक कोई हिसाब किताब नहीं किया गया है।

नीतिश ने बनाई जदयू की नई टीम, ललन सिंह के करीबियों को किया बाहर

पटना(एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता दल यूनाइटेड का अध्यक्ष बनने के बाद अपनी नई टीम बनाई है। इसमें ललन सिंह के करीबियों की टीम की छुट्टी कर दी गई है। कई नाम हैं सूची में नहीं हैं, जिन्हें ललन ने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में बड़ी जिम्मेदारी दी थी।

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश ने जिन पार्टी पदाधिकारियों नियुक्ति की है, इसमें वशिष्ठ नारायण सिंह पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। के सी त्यागी राजनीतिक सलाहकार और प्रवक्ता बने हैं। गोपालगंज के सांसद आलोक कुमार सुमन कोषाध्यक्ष बने हैं।

साथ ही जदयू के नए राष्ट्रीय महासचिवों की सूची भी जारी की गई है। इनमें रामनाथ ठाकुर, मंगनी लाल मंडल, संजय झा, मोहम्मद अली अशरफ फातमी, आफाक अहमद, श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, रामसेवक सिंह, कहकशां परवीन, कपिल हरिश्चंद्र पाटिल, राज सिंह मान, इंजीनियर सुनील कुमार और पूर्व विधायक राजीव रंजन का नाम शामिल हैं। राजीव रंजन पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया हैं।

बता दें कि ललन के करीबी हर्षवर्धन सिंह को बाहर कर दिया गया है। इसके अलावा रामप्रीत मंडल, गिरधारी यादव, संतोष कुशवाहा, चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, दसई चौधरी, मोहम्मद गुलाम रसूल वालियावी, विजय कुमार मांझी, रामकुमार शर्मा, धनंजय सिंह और कमर आलम राष्ट्रीय महासचिव के पद से हटा दिया गया है।

बता दें कि पिछली बार ललन के कार्यकाल में जेडीयू के 22 राष्ट्रीय महासचिव थे, लेकिन इस बार केवल 10 महासचिव बनाए गए हैं। राष्ट्रीय सचिवों के नाम भी जारी किए गए हैं। इसमें विद्या सागर निषाद, राजीव रंजन प्रसाद, अनूप पटेल, दयानंद राय, संजय कुमार, मो. निसार का नाम शामिल है।

हेमा मालिनी ने दी प्रस्तुति, तस्वीरें वायरल

अयोध्या (एजेंसी)। इन दिनो पूरा देश राममय है। जगह जगह धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। हिंदी सिनेमा की अदाकारा हेमा मालिनी ने अयोध्या पहुंचकर मां सीता का रूप धारण कर खूबसूरत प्रस्तुति दी। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या में रामायण का आयोजन हुआ। ये आयोजन रामभद्राचार्य के 75वें जन्मदिन के मौके पर हुआ, जिसमें हेमा मालिनी मां सीता बनीं। इसकी तस्वीरें हेमा मालिनी ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए खुशी जाहिर की है। तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा, ÷तुलसी पीठाधीश्वर (चित्रकूट जगत गुरु) श्री रामभद्राचार्य जी ने 17 जनवरी को अपना 75वां जन्मदिन अमृत महोत्सव के रूप में अयोध्या में मनाया। मुझे रामायण करने का सौभाग्य मिला, जिसमें मैंने राम की सीता की भूमिका निभाई।÷ हेमा मालिनी ने बताया था कि वह पहली बार अयोध्या आई हैं। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा था, ÷राम की नगरी में पहुंची हूं और इसके लिए मैं खुद को सौभाग्यशाली समझती हूं।

हेमा मालिनी एक बेहतरीन क्लासिकल डांसर हैं और वह अक्सर अपने हुनर का प्रमाण देती रहती हैं। लेकिन पहली बार उन्होंने रामायण का ये अहम किरदार निभाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।गौरतलब है कि इससे पहले हेमा मालिनी ने इससे पहले नवंबर 2023 में मथुरा में मीराबाई के 525वें जन्मोस्तव में भी परफॉर्म किया था। उन्होंने मीराबाई पर आधारित नाटक में हिस्सा लेकर उस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई थी। दो दिन में अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है और हेमा मालिनी ही नहीं फिल्म जगत के तमाम सितारे इस मौके पर वहां पहुंचने वाले हैं। अमिताभ बच्चन से लेकर माधुरी दीक्षित समेत कई एक्टर्स को इसका न्योता मिला है।

दवा लिखने वाले डॉक्टर को बताना होगा कि एंटीबायोटिक दवा क्यों लिखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश की सेहत और तमाम अनुसंधानों के बाद निर्णय लिया है कि एंटीबायोटिक दवा लिखने वाले डॉक्टर को बताना चाहिए इसकी जरुरत क्या है,और क्यों इसे दिया जा रहा है।इसके साथ ही बीमारी के लक्षण भी डॉक्टर को बताना होंगें। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी चिकित्सकों से आग्रह किया है कि वे इसमें सहयोग करें और मरीजों इससे जुड़ी जानकारी दें। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक अतुल गोयल ने सभी दवा विक्रेताओं से औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमों की अनुसूची एच और एच1 को सख्ती से लागू करने और एंटीबायोटिक दवाओं की बिना पर्चे के होने वाली बिक्री बंद करने और उन्हें केवल योग्य डाक्टर के नुस्खे पर ही बेचने की अपील की है।गोयल ने एक जनवरी को लिखे पत्र में कहा कि एंटीमाइक्रोबियल (रोगाणुरोधी) दवाओं का दुरुपयोग और अति प्रयोग दवा प्रतिरोधी रोगजनकों के विकास में मुख्य कारकों में से एक है। उन्होंने कहा कि अनुसंधान के साथ कुछ नई एंटीबायोटिक दवाओं के आने के साथ, विवेकपूर्ण तरीके से एंटीबायोटिक का इस्तेमाल प्रतिरोध को रोकने या देरी करने में एकमात्र विकल्प है।

चिकित्सा कालेजों के सभी डाक्टरों और सभी चिकित्सा संगठनों को संबोधित पत्र में कहा गया है कि

रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) मानवता के सामने आने वाले शीर्ष वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों में से एक है। यह अनुमान लगाया गया है कि 2019 में वैश्विक स्तर पर 12.7 लाख मौतों के लिए बैक्टीरियल एएमआर सीधे तौर पर जिम्मेदार था और 49.5 लाख मौतें दवा प्रतिरोधी संक्रमण से जुड़ी थीं। यह प्रतिरोधी रोगाणुओं के कारण होने वाले संक्रमण की प्रभावी रोकथाम और उपचार को खतरे में डालता है, जिसके परिणामस्वरूप गंभीर बीमारी होती है और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। उपचार की विफलता से लंबे समय तक संक्रामकता बनी रहती है। शुरुआत के उपचार के विफल रहने पर बाद के इलाज के लिए दवाओं की लागत भी काफी बढ़ जाती है।पत्र में कहा गया है कि दवा ब्रिकेताओं को औषधि और प्रसाधन नियमों की अनुसूची एच और एच1 को लागू करने और केवल वैध नुस्खे पर एंटी बायोटिक बेचने के लिए याद दिलाया जा रहा है। यह अहम है कि डाक्टर एंटीमाइक्रोबियल लिखते समय नुस्खे पर लक्षण लिखें। इसमें कहा गया कि सभी चिकित्सकों से तत्काल अपील की जाती है कि वे एंटीमाइक्रोबियल लिखते समय लक्षण, कारण, औचित्य लिखना एक अनिवार्य अभ्यास बनाएं।

एएमआर के मामलों को कम करने के लिए एंटीमाइक्रोबियल दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने के लिए आपके सहयोग की आशा है।भारत में सभी दवा विक्रेता संघों को लिखे पत्र में गोयल ने कहा कि औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम 1945 के तहत, एंटीबायोटिक दवाओं को अनुसूची 'एच' के तहत निर्दिष्ट दवाओं की सूची में शामिल किया गया है, जिन्हें केवल एक पंजीकृत डाक्टर के नुस्खे पर खुदरा रूप से बेचा जाना आवश्यक है। कुछ उच्च गुणवत्ता वाले एंटीबायोटिक एचआइ दवाओं की सूची में शामिल हैं।पत्र में कहा गया है कि देश के सभी दवा विक्रेताओं से तत्काल अपील की जाती है कि वे औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम की अनुसूची एच और एच1 को सख्ती से लागू करें और एंटीबायोटिक दवाओं की बिना डाक्टर के नुस्खे के बिक्री बंद करें और उन्हें केवल एक योग्य डाक्टर के नुस्खे पर ही बेचें।

एटीएस के 550 कमांडो व एसपीजी के 35 जवान पीएम की सुरक्षा में जुटेंगे

-प्राण प्रतिष्ठा के दिन सुरक्षा के पांच घेरों में रहेंगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

अयोध्या (एजेंसी)। प्राण प्रतिष्ठा के दिन सुरक्षा के पांच घेरों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रहेंगे। इसके लिए एटीएस के 550 कमांडो व एसपीजी के 35 जवानों ने अयोध्या में डेरा डाल दिया है। बता दें कि पूजन के समय प्रधानमंत्री का सुरक्षा घेरा पांच स्तरीय होगा। इसके लिए अलग-अलग स्तर में सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले अन्य जवान भी रामनगरी में चप्पे-चप्पे की छानबीन में जुटे हैं। इसके लिए शुक्रवार को एटीएस के कमांडो ने उदया चौराहा से लेकर नयाघाट तक पूर्वाभ्यास भी किया है। बता दें कि आगामी 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम वीवीआईपी का आगमन होगा। इसके लिए सुरक्षा का मजबूत तानाबाना बुना गया है। सिविल पुलिस समेत अलग-अलग एजेंसियों के लगभग 30,000 से अधिक जवान यहां पर पहुंच चुके हैं। इनमें प्रधानमंत्री की सुरक्षा पर सर्वाधिक फोकस है। इसके लिए पांच स्तरीय अभेद्द सुरक्षा घेरा तैयार किया जाएगा।

सूत्रों की मानें तो प्रधानमंत्री के पास सबसे पहले एसपीजी के बॉडीगार्ड होंगे। यह जवान अस्सॉल्ट राइफल, ऑटोमेटिक गन, 17 एम रिवॉल्वर समेत अन्य आधुनिक असलहों से युक्त होंगे। अगले स्तर में एसपीजी के कमांडो रहेंगे। इसके बाद एनएसजी के खतरनाक ब्लैक कैट कमांडो सुरक्षा का जिम्मा संभालेंगे। इनके साथ ही एटीएस व अन्य कमांडो भी आसपास ही मुस्तैद होंगे। चौथे लेयर में अर्द्धसैनिक बलों के जवान होंगे। जबकि अंतिम लेयर में सुरक्षा का जिम्मा सिविल पुलिस के हाथ में होगा। कार्यक्रम स्थल से लेकर बाहर तक चप्पे-चप्पे पर इन जवानों का पहरा होगा। बता दें कि बिना इनकी अनुमति के प्रधानमंत्री के इर्द-गिर्द परिंदा भी पर नहीं मार सकेगा।

अयोध्या में फुलप्रूफ सुरक्षा घेरे को अमली जामा पहनाने के लिए एसपीजी के 35 जवान आ चुके हैं। लगभग इतने ही और जवानों के पहुंचने की बात कही जा रही है। इसके अलावा एटीएस के 550 कमांडो भी यहां ठहरे हुए हैं। शुक्रवार को यह कमांडो आगे मोटर साइकिल व पीछे-पीछे वाहनों के काफिले के साथ रिहर्सल करते भी नजर आए हैं। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर हाईवे पर भी निगरानी बढ़ाई गई है। 200 मीटर की दूरी पर पुलिस, यातायात व अर्द्धसैनिक बलों के जवान तैनात किए गए हैं। जिले में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सघन तलाशी ली जा रही है। आईजी प्रवीण कुमार के अनुसार यहां पर होने वाली हर छोटी मोटी गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

अमेरिका ने म्यूजिक डिप्लोमैसी 2024 की शुरुआत की

वाशिंगटन । अमेरिका ने अपने वार्षिक 'म्यूज़िक डिप्लोमैसी 2024' की शुरुआत भारत से की और मशहूर संगीतकार हर्बी हैनकॉक तथा डायने रीव्स नई दिल्ली और मुंबई में प्रस्तुतियां दे रहे हैं। विदेश विभाग ने आधिकारिक घोषणा में कहा कि अमेरिका के दो दिग्गज संगीतकार 'ग्लोबल म्यूज़िक डिप्लोमैसी इनीशिएटिव' के तहत 14-24 जनवरी तक भारत में हैं। इसके साथ ही डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर की विरासत की स्मृति में भारत में अमेरिकी मिशन ने हर्बी हैनकॉक, डायने रीव्स और 'हर्बी हैनकॉक इंस्टीट्यूट ऑफ जाज़ परफॉर्मेंस' को नई दिल्ली तथा मुंबई में शिक्षा कार्यक्रमों में प्रस्तुति देने तथा भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। इसका उद्देश्य अमेरिका और भारत के लोगों के बीच शांति को बढ़ावा देना तथा संबंधों को मजबूत बनाना है। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने नई दिल्ली में यूसीएलए समूह के साथ प्रस्तुति दी। वह कॉन्सर्ट पियानोवादक भी हैं। मुंबई में हैनकॉक और रीव्स के साथ भारतीय कलाकार सितारवादक पूर्बायन चटर्जी और तबलावादक स्वरूपा अनंत-सावकर भी प्रस्तुति देने वाले है।

200 साल में कोई भी बड़ा युद्ध नहीं लड़ा, लेकिन अब जंग के लिए तैयार हो रहा ये देश

लंदन । जिस देश ने विश्व युद्ध में भी हिस्सा नहीं लिया। पिछले एक-दो नहीं बल्कि 200 साल में कोई भी बड़ा युद्ध नहीं लड़ा हो। लेकिन वहां देश अचानक से क्या युद्ध में उतरने की तैयारी कर रहा है? दरअसल स्वीडन सरकार और सेना की ओर से स्वीडनवासियों को युद्ध के लिए तैयार रहने के आग्रह के कारण नॉर्डिक देश में अफरा-तफरी का मौहाल देखने को मिला। स्वीडन सरकार की ओर से कहा गया है कि स्वीडन में युद्ध की नौबत आ सकती है और निवासियों को इसके लिए तैयार रहना चाहिए। इस घोषणा के साथ ही नागरिकों के भी घबराहट देखने को मिली। नागरिक सुरक्षा मंत्री कार्ल-ऑस्कर बोहलिन ने कहा कि स्वीडन में युद्ध हो सकता है। उनके संदेश का सैन्य कमांडर-इन-चीफ जनरल मिकेल बायडेन ने समर्थन किया। हालाँकि, विपक्षी राजनेताओं ने चेतावनियों के लहजे पर आपत्ति जाहिर है। स्वीडन के नागरिक सुरक्षा मंत्री ने कहा कि उनका उद्देश्य लोगों की नींद ख़राब करना नहीं है, बल्कि वास्तव में क्या चल रहा है, इसके बारे में जागरूकता हासिल करना है। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों, आपातकालीन योजनाकारों और व्यक्तियों से प्रतिक्रिया देने की अपील की। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने सम्मेलन के दौरान स्वीडन से अपने देश और अन्य लोगों के साथ हथियार बनाने और एक साथ मजबूत होने के लिए काम करने का आह्वान किया।

दमिश्क पर इजरायली हमला, पांच लोगों की मौत

दमिश्क। दमिश्क पर इजरायली हमले में इमारत में पांच लोग मारे गए। रिपोर्ट के अनुसार, सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा, इजरायली मिसाइल हमले ने एक चार मंजिला इमारत को निशाना बनाया, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और पूरी इमारत नष्ट हो गई, जहां ईरान-गठबंधन के नेता बैठक कर रहे थे। रिपोर्ट में बताया गया कि ये हमले सुबह-सुबह हुए, एक हमले ने दमिश्क के माज़ेह पड़ोस में एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया, जो इजरायली आक्रामकता के परिणामस्वरूप हुआ। इसमें कहा गया है कि माज़ेह क्षेत्र संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय, दूतावासों और रेस्तरां का घर है। इजरायली मिसाइलों ने पूरी इमारत को नष्ट कर दिया और हमले में 10 लोग या मारे गए या घायल हो गए।

उत्तर कोरिया के साइबर खतरों के खिलाफ एकजुट हुए अमेरिका और दक्षिण कोरिया

सोल । दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने उत्तर कोरिया के साइबर खतरों के खिलाफ सहयोग बढ़ाने पर सहमति जाहिर की है। शनिवार को द.कोरिया के विदेश मंत्रालय के हवाले से बताया कि कोरिया गणराज्य और अमेरिका ने साइबर नीति पर बैठक की। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों पक्षों ने इसपर सहमति व्यक्त की कि उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम द.कोरिया और अमेरिका के लिए गंभीर सुरक्षा खतरा पैदा करते हैं और साथ ही वैश्विक शांति के लिए भी खतरा पैदा करते हैं। दोनों देश साइबर अपराध जांच के लिए समन्वय बढ़ाने, सूचना साझाकरण का विस्तार करने और हैकिंग विरोधी प्रयासों और प्रौद्योगिकी सहयोग में परस्पर आदान-प्रदान पर सहमत हुए हैं।

ब्रिटेन की संसद में भजनों के साथ गूंजे जय श्रीराम के नारे

लंदन। अयोध्या के राम मंदिर का उत्साह केवल भारत तक सीमित नहीं है। इसके खुशी की लहर अब सात समंदर पार भी पहुंच गई है। कई देशों में जश्न का माहौल है। ब्रिटेन की संसद में जय श्रीराम के नारे और भजन हुए। जिसके कारण पूरी संसद में राम ही राम की धूम रही। लंदन स्थित हाउस ऑफ कॉमन्स में राम गीत प्रस्तुत किया गया। सोशमल मीडिया पर इसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। लंदन के हाउस ऑफ कॉमन्स में राम के भजन गाने से पूरा वातावरण राममय में हो गया। 17 जनवरी को ब्रिटेन की संसद परिसार में सनातन संस्था यूके की तरफ से युगपुरुष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लंदन के रेडियो जॉकी चंदा झा ने राम गीत गाकर उपस्थित सभी नेताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया ।बिहार के बेतिया की रहने वाली चंदा झा के भजनों पर इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पद्मश्री ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने भी भगवा गमछा ओढ़ जय श्री राम के नारे लगए। इस दौरान बच्चों ने भरतनाट्यम के द्वारा गीत गाकर भगवान राम के बारे में बताया। चंदा झा ने बताया कि सनातन और हिंदू धर्म को हमेशा बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। हम लंदन में भी रहकर हम अयोध्या नहीं आ सकते हैं, लेकिन लंदन में ही राम के मंदिर में हम दीप जलाएंगे। हम सभी भारतीय पूजा पाठ करेंगे। लंदन में ही हम गाना गाएंगे। बता दें कि 22 जनवरी 2024 को अयोध?या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है।गुरुवार को रामलला की प्रतिमा को मंदिर के गर्भ गृह में पूरे विधि-विधान के साथ स्थापित कर दिया गया। अब लाखों-करोड़ों राम भक्तों को प्राण प्रतिष्ठा की प्रतीक्षा है। प्राण प्रतिष्ठा से पहले राम मंदिर को दुल्हन की तरह सजाया-संवारा जा रहा है।

यमन में विस्फोट, तीन जवानों की मौत

अदन,यमन। यमन के दक्षिणी अबयान प्रांत में एक बम हमले में सरकारी बलों के तीन सैनिक मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए। ये धमाका उस वक्त् हुआ जब सुरक्षा बलों के जवान पूर्वी अबयान में मुदियाह जिले के वाडी ओमिरान इलाके में एक सैन्य गश्त कर रहे थे। सूत्र ने बताया कि बमबारी के पीछे अल-कायदा के आतंकवादियों का हाथ होने की संभावना है। दरअसल उन्होंने पहले मुदियाह और अबयान में अन्य जगहों पर सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर विस्फोटक उपकरण लगाए थे। साउथर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीसी) और सरकारी सैनिकों से युक्त संयुक्त सैन्य बल 2022 के अंत से अबयान के विभिन्न हिस्सों में अल-कायदा के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। हालांकि, चरमपंथी समूह अभी भी प्रांत के दूरदराज के इलाकों में सक्रिय है। यमन में हाल के वर्षों में अल-कायदा और अन्य आतंकवादी समूहों के हमलों में वृद्धि देखी गई है क्योंकि उन्होंने हौथी समूह और सरकारी बलों के बीच लगभग एक दशक से चल रहे संघर्ष का फायदा उठाया है।

नासा का इनजेनिटी मार्स हेलीकॉप्टर से टूटा संपर्क, अगले कदमों पर किया जा रहा विचार

कथित तौर पर नासा ने अपने मंगल हेलीकॉप्टर इनजेनिटी से संपर्क खो दिया है। संभावित झटका तब आया जब इनजेनिटी लाल ग्रह पर अपने तीन साल के निशान के करीब थी, जिसने अपने विस्तारित मिशन के दौरान 71 उड़ानें सफलतापूर्वक पूरी कीं। नासा के अधिकारियों के अपडेट के अनुसार, इनजेनिटी ने 18 जनवरी को लाल ग्रह पर अपनी 72वीं उड़ान भरी। पिछली उड़ान के दौरान एक अनियोजित प्रारंभिक लैंडिंग के बाद, हेलीकॉप्टर के सिस्टम की जांच करने के लिए उड़ान को एक त्वरित पॉप-अप ऊर्ध्वाधर उड़ान के रूप में डिजाइन किया गया था। उड़ान के दौरान दृढ़ता रोवर (जो हेलीकॉप्टर और पृथ्वी के बीच एक रिले के रूप में कार्य करता है) को भेजा गया डेटा इनजेनिटी इंगित करता है कि यह 40 फीट (12 मीटर) की निर्धारित अधिकतम ऊंचाई पर सफलतापूर्वक चढ़ गया। अपने नियोजित अवतरण के दौरान, लैंडिंग से पहले, हेलीकॉप्टर और रोवर के बीच संचार जल्दी समाप्त हो गया, ' अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि इनजेनिटी टीम उपलब्ध डेटा का विश्लेषण कर रही है और हेलीकॉप्टर के साथ संचार को फिर से स्थापित करने के लिए अगले कदमों पर विचार कर रही है।

रुस में यूक्रेनी ड्रोन हमले के बाद एक तेल टैंकर में लगी आग बुझाते हुए दमकलकर्मी।

ईरान की शह पर हिज्बुल्लाह ने इजरायल को दी धमकी

बेरूत। लेबनान में ईरान की शह पर हिजबुल्लाह ने इजरायल को बड़ी धमकी दी है। गौरतलब है कि हिजबुल्लाह को ईरान से समर्थन मिला हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार हिजबुल्लाह के एक अधिकारी ने कहा कि अगर इजरायल ने लेबनान के साथ सीमा पर संघर्ष को बढ़ाया तो उसके लिए यह बहुत महंगा सौदा होगा। बता दें कि 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमास की ओर से किए गए हमलों के बाद कई बार इजरायली सेना और हिजबुल्लाह के बीच भयंकर गोलीबारी देखने को मिली है। इजरायल की ओर से सीमावर्ती गांवों पर बमबारी की गई है, जिससे लेबनान में हिंसा में 142 हिजबुल्लाह लड़ाकों समेत 195 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। वहीं इजरायली सेना के मुताबिक इजरायल के 15 लोग मारे गए, जिनमें 9 सैनिक और छह नागरिक थे। हिजबुल्लाह में नंबर दो के लीडर नईम कासिम ने कहा कि अगर इजरायल ने अपने हमलों के विस्तार का फैसला किया तो उसे जवाब में हमले देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यदि सीमा पर स्थिरता आती है तो ये मानना चाहिए कि गाजा में आक्रामकता खत्म होने की कोशिश में है। उसने धमकी भरे लहजे में उन्होंने कहा, दुश्मन को पता होना चाहिए कि हम तैयार है। हम अपनी तैयारी इस आधार पर कर रहे हैं, कि युद्ध कभी खत्म न होगा।

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को दक्षिणी लेबनान में इजरायल की ओर से हवाई हमले किए गए। इन हमलों में कम से कम तीन घर पूरी तरह बर्बाद हो गए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सीमा के करीब कफर किला गांव में इजरायल की ओर से चार घरों को टार्गेट किया गया। तीन घर पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। वहीं तोपखाने के गोले से एक 5वां घर भी टार्गेट किया गया। शुक्रवार को इजरायली सेना ने कहा कि उसने कफर किला सेक्टर में हिजबुल्लाह की चौकियों को निशाना बनाया। आतंकवादी ठिकानों पर हवाई हमले किए गए हैं।

पाकिस्तान में चुनाव सिर्फ दिखावा... सेना के हाथों की कठपुतली होती हैं चुनी हुई सरकार

-पिछली बार इमरान इस चुनाव में पीएमएल (एन) बनने जा रही

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान 8 फरवरी को अपने 12वें आम चुनाव के लिए तैयारी कर रहा है। लेकिन उसका आंतरिक राज्य अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहा है, जिससे पूरी चुनावी प्रक्रिया एक तमाशा बन गई है। मतदान होने में एक महीने से भी कम समय बचा है, यह स्पष्ट है कि पाकिस्तान अब तक के सबसे चालाकी भरे आम चुनावों की ओर बढ़ रहा है।

पीटीआई को तोड़ने और चुनाव पूर्व धांधली का शिकार बनाए जाने के कई उदाहरण हैं। इसके शीर्ष नेता इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं, उन पर भ्रष्टाचार, राज्य के रहस्यों से समझौता करने और सैन्य सुविधाओं में तोड़फोड़ करने के कई आरोप हैं। उनकी पार्टी के कई नेताओं ने कथित तौर पर दबाव में आकर पार्टी को अचानक छोड़ दिया है, उनमें से कुछ ने अपने पीटीआई के प्रतिद्वंद्वी गुटों को भी पार्टी में शामिल कर लिया है। जेल में बंद होने के कारण इमरान को अपनी ही पार्टी की कुर्सी से हटना पड़ा। इमरान सहित पीटीआई के कई चुनावी उम्मीदवारों के नामांकन पत्र पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) द्वारा खारिज कर दिए गए हैं, जो तथाकथित स्वायत्त निकाय है जो चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार है।

पाकिस्तानी आवाम (मुख्य रूप से इसकी युवा आबादी) का मानना है कि खान की अयोग्यता और

उनके खिलाफ लगाए गए कई मामलों के पीछे पाकिस्तानी सेना है। पाकिस्तान का इतिहास सेना द्वारा नागरिक सरकार पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने के कई उदाहरण है। अतीत में जब सेना के जनरल आधिकारिक तौर पर सत्ता में नहीं थे, तब भी वे देश के निर्णय लेने और इसके राजनीतिक नेतृत्व को प्रभावित करते रहे। दशकों से राजनीति में सेना के लगातार हस्तक्षेप के कारण ही पाकिस्तान में लगातार राजनीतिक संकट बना हुआ है, जिससे एक गहरे राज्य की स्थापना हुई है।

2018 के चुनावों से ठीक पहले, नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-एन इसी तरह सत्ता प्रतिष्ठान के क्रोध का शिकार थी और बाद में सत्ता प्रतिष्ठान के आशीर्वाद से पीटीआई सत्ता में आई थी। इसके बाद इमरान ने तेजी से पाकिस्तानी सेना के साथ करीबी रिश्ते बनाए। अपने प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल के दौरान, उन्होंने कश्मीर मुद्दे (अनुच्छेद 370 को निरस्त करने) पर अपने रुख के संदर्भ में सेना के एजेंडे को काफी आगे बढ़ाया। अमेरिका के साथ संबंधों में सुधार किया और कुछ हद तक बढ़े हुए सैन्य खर्च को बनाए रखने के लिए धन जुटाने का प्रबंधन किया। हालाँकि, सैन्य समर्थन के कारण इमरान की शक्ति कमजोर हो गई। सेना के साथ मतभेद पहली बार 2021 में खुलकर सामने आए जब पूर्व सेना प्रमुख क़मर जावेद बाजवा ने लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम को इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया। खान ने अपनी पसंद के जनरल फैज़ हमीद के पक्ष में इसका विरोध किया। हालाँकि, बाद में वह कोई बदलाव लाने में असफल रहे। बाद में खान और बाजवा दोनों में विदेश नीति के मुद्दों पर मतभेद होने लगे। साथ ही खान ने विभिन्न मंचों पर सेना के साथ अपनी निजी चर्चा के बारे में खुलकर बोलना शुरू कर दिया, इस सेना स्वीकार नहीं कर सकी। जिसके कारण इमरान खान को जेल में डाल दिया गया। वर्तमान परिदृश्य में ऐसा लगता है कि इतिहास फिर से दोहरा रहा है।

2018 के चुनाव की तरह आगामी फरवरी के चुनाव का भी कुछ ऐसा ही हश्र होता दिख रहा है। केवल इस बार, स्थिति बदल गई है, जिससे पीटीआई की कीमत पर पीएमएल (एन) को प्रमुखता मिलती दिख रही है। पाकिस्तान का पंजाब प्रांत, जो सबसे अधिक सीटें रखता है, आगामी चुनाव में जीतने वाली पार्टी के भाग्य का निर्धारण करने जा रहा है। पाकिस्तानी सेना के निर्देशन में डीप स्टेट, किसी भी तरह से पीएमएल (एन) के पक्ष में मतदान के बहुमत को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

रूसी सेना में अपने नागरिकों की भर्ती पर नेपाल को ऐतराज, मास्को से की स्वदेश भेजने की मांग

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल ने कहा कि उसने मॉस्को से अपने नागरिकों को रूसी सेना में भर्ती नहीं करने और उन लोगों को वापस लाने में मदद करने को कहा है जो यूक्रेन में युद्ध लड़ने के लिए पहले ही देश की सेना में शामिल हो चुके हैं। नेपाली सैनिक, जिन्हें गोरखा कहा जाता है, अपनी बहादुरी और युद्ध कौशल के लिए जाने जाते हैं, और 1947 में तीन देशों के बीच एक समझौते के तहत भारत की स्वतंत्रता के बाद ब्रिटिश और भारतीय सेनाओं की सेवा कर रहे हैं। कम से कम 200 नेपाली युवा अवैध चैनलों के माध्यम से रूसी सेना में शामिल हो गए हैं और उनमें से 12 यूक्रेन के खिलाफ लड़ते हुए पहले ही अपनी जान गंवा चुके हैं।

लाखों नेपाली नागरिक मुख्य रूप से दक्षिण कोरिया, मलेशिया और मध्य पूर्व में उद्योगों और निर्माण स्थलों पर मजदूर के रूप में नागरिक कार्यों में कार्यरत हैं। नेपाली विदेश मंत्री एन.पी. सऊद ने शुक्रवार को युगांडा के कंपाला में चल रहे गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन के मौके पर रूस के उप विदेश मंत्री वर्शिनिन सर्गेई वासिलिविच के साथ अपनी बैठक के दौरान रूस से कहा, ÷देश की सेना में नेपाली नागरिकों की भर्ती न करें और जो पहले ही कर चुके हैं उन्हें वापस लाने में मदद करें।÷ सऊद के निजी सचिवालय के अनुसार, सेना में शामिल हो गए। सऊद ने स्पष्ट किया कि ÷नेपाल की उन कुछ देशों को छोड़कर अपने नागरिकों को विदेशी सेना में भेजने की कोई नीति नहीं है, जिनके साथ उसकी पारंपरिक व्यवस्था है।

इसलिए, मैंने रूसी मंत्री से हमारे नागरिकों को अपनी सेना में भर्ती नहीं करने के लिए कहा है, ÷सऊद को उनके निजी सचिवालय ने यह कहते हुए उद्धृत किया। सऊद के सचिवालय के अनुसार, बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने नेपाल और रूस के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा की। इस अवसर पर सऊद ने नेपाल और रूस के बीच मौजूद लंबे ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख किया। रूसी उप विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत नींव पर बने हैं।

जापान का यान पहुंचा चांद पर, लेकिन कुछ घंटों का ही मेहमान

-लैंडिंग के बाद सौर पैनल में आई खराबी के चलते बैटरी मोड में कर रहा काम

टोक्यो (एजेंसी)। चांद पर यान की सफल लैंडिंग करवाकर अब जापान भी एक अंतरिक्ष महाशक्ति बन गया है। जापान चांद पर पहुंचने वाला 5वां देश बन गया है। शुक्रवार को जापान का रोबोटिक स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग द मून (स्लिम) सफलतापूर्वक चांद पर उतरा। लेकिन यह कुछ घंटों का ही मेहमान है। जानकारी के अनुसार उसके सौर पैनल ने काम करना बंद कर दिया है, इसलिए यह बैटरी पर ही टिका हुआ है, जैसे ही बैटरी खत्म होगी वह निष्क्रिय हो जाएगा। इसके चांद पर लैंडिंग की जापान में 20 जनवरी की तारीख थी और आधी रात में लोग इस कामयाबी के गवाह बनना चाहते थे। जापान के लोगों ने उसी खुशी को महसूस किया, जो अगस्त 2023 में चंद्रयान-3 की लैंडिंग के बाद भारत के लोगों ने महसूस किया। जापान चांद पर पहुंच गया है, लेकिन यह मिशन पूरी तरह उम्मीद पर खरा नहीं उतरा। जापानी स्पेस एजेंसी (जाक्सा) के मुताबिक अंतरिक्ष यान चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने में कामयाब रहा है। स्लिम चंद्रमा के शियोली क्रेटर के पास से डेटा प्राप्त कर रहा है। हालांकि अधिकारियों ने इस दौरान एक खराबी का जिक्र करते हुए कहा कि लैंडर पर लगे सौर ऊर्जा सेल में खराबी देखने को मिली है। यह उम्मीद के मुताबिक बिजली नहीं बना रहे हैं। जिस कारण यह बैट्री मोड पर चल रहा है। बैट्री की अपनी क्षमता है, इस कारण यह अंतरिक्ष यान कुछ घंटे ही काम कर सकेगा। बताया जा रहा है कि स्लिम इस समय रिजर्व बैट्री पर चल रहा है, जो कुछ ही घंटों में खत्म हो जाएगी। इससे शोधकर्ताओं को लैंडर के जरिए प्रयोग करने का बेहद सीमित समय मिला है।

पाकिस्तान लग जाएगा किनारे, चीन को लगेगा जोर का झटका, भारत - ईरान के बीच अब हो गया कौन सा समझौता?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ईरान के बीच हुआ एक समझौता पड़ोसी पाकिस्तान के साथ ही चीन के लिए भी चिंता का सबब बन रहा है। हम चाबहार परियोजना की बात कर रहे हैं, जिसे लेकर दोनों देशों के बीच ताजा बातचीत में इस पर तेजी के साथ काम करने को लेकर समझौता हुआ है। इस परियोजना के शुरू होने पर अफगानिस्तान जाने वाले भारतीय ट्रकों को पाकिस्तान से होकर नहीं गुजरना पड़ेगा। सीपीईसी के जरिए इस इलाके में अपना दबदबा कायम करने की कोशिश में लगे चीन को भी बड़ा झटका लगेगा। द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार भारत और ईरान अपनी पहली विदेशी बंदरगाह परियोजना चाबहार पोर्ट को लेकर अंतिम समझौते पर पहुंच गए हैं। इस ईरानी बंदरगाह का निर्माण दोनों देशों के बीच लंबे समय से चर्चा में है। ये तब भी चर्चा में आया था जब पीएम मोदी साल 2013 में तेहरान गए थे।

क्या है चाबहार बंदरगाह परियोजना

चाबहार बंदरगाह ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित है। ओमान की खाड़ी में स्थित ये बंदरगाह ईरान के दक्षिणी समुद्र तट को भारत के पश्चिमी समुद्री तट से जोड़ता है। चाबहार बंदरहाग ईरान के दक्षिणी पूर्वी समुद्री किनारे पर बना है। इस बंदरगाह को ईरान द्वारा व्यापार मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया। पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह के पश्चिम की तरफ मात्र 72 किलोमीटर की दूर पर है। अभी तक मात्र 2.5 मिलियन टन तक के समान ढोने की क्षमता वाले इस बंदरगाह को भारत,ईरान और अफगानिस्तान मिलकर इसे 80 मिलियन टन तक समान ढोने की क्षमता वाला बन्दरगाह विकसित करने की परियोजना बना रहे हैं।

बीते कुछ सालों में चाबहार परियोजना काफी विकसित हुई है और अब इसमें एक मुख्य केंद्र जाहेदार इलाके तक 628 किलोमीटर लंबी रेल लाइन और फिर ईरान तुर्कमेनिस्तान सीमा पर एक हजार किलोमीटर से ज्यादा लंबे ट्रैक की परिकल्पना की गई है। हूती ठिकानों पर ब्रिटेन, अमेरिका बलों के हमले और एंटनी ब्लिंकन के साथ चर्चा के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ईरान की दो दिन की यात्रा पर थे। चाबहार बंदरगाह संपर्क और व्यापार रिश्तों को बढ़ावा देने के लिए भारत और ईरान द्वारा विकसित किया जा रहा है। भारत क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए चाबहार बंदरगाह प्रोजेक्ट पर जोर दे रहा है, खासकर अफगानिस्तान से इसके कॉन्टैक्ट के लिए।

चाबहार परियोजना के जरिए पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए भारत को अफगानिस्तान के लिए एक सीधा रास्ता मिलेगा। अफगानिस्तान ऐतिहासिक रूप से भारत के साथ मित्रता के बंधन में बंधा हुआ है। नई कनेक्टिविटी से अफगानिस्तान को भी बड़ा फायदा होगा। अपने व्यापार कारोबार और संपर्क का विस्तार करने के लिए भारत के रूप में एक बड़ा बाजार मिलेगा। इसके अलावा सीपीईसी के रूप में चीन ने इस इलाके तक जो वर्चस्व स्थापित किया है। इस परियोजना से चीन का प्रभाव भी कम हो जाएगा।

विदेश मंत्री जयशंकर ने गाजा संकट के स्थायी समाधान की बताई जरूरत

-कंपाला में 19वें गुटनिरपेक्ष आंदोलन शिखर सम्मेलन में रखी अपनी बात

कंपाला (एजेंसी)। विदेश मंत्री जयशंकर ने गाजा संकट के स्थाई समाधान की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने यहां मानवीय कानून बाहाली की भी मांग की है। जानकारी के अनुसार कंपाला में 19वें गुटनिरपेक्ष आंदोलन शिखर सम्मेलन में जयशंकर ने कहा कि वर्तमान में गाजा में संघर्ष सबसे बड़ी चिंता है। इस मानवीय संकट के लिए एक स्थायी समाधान की जरूरत है, जो प्रभावित लोगों को तत्काल राहत दे सके। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस्त्राइल-हमास के बीच संघर्ष को गंभीर मुद्दा बताया। युगांडा की राजधानी कंपाला में शिखर सम्मेलन के दौरान जयशंकर ने कहा कि ऐसे संघर्ष चल रहे हैं जिनका असर दूर-दूर तक महसूस किया जा रहा है। गाजा, विशेष तौर पर हमारी चिंता के केंद्र में है। इस मानवीय संकट के लिए एक स्थायी समाधान की आवश्यकता है, जो सबसे अधिक प्रभावित लोगों को तत्काल राहत दे। लेकिन हमें यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि आतंकवाद और लोगों को बंधक बनाना अस्वीकार्य है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों के सम्मान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का हमेशा सम्मान करना चाहिए। फिलहाल गाजा संघर्ष को और बढ़ने से रोकना बहुत जरूरी है। दो-राष्ट्र समाधान (इस्त्राइल-फलस्तीन) पर भारत के रुख को दोहराते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि अंतिम निष्कर्ष के लिए हमें दो-राष्ट्र समाधान की दिशा में कार्य करना चाहिए, जहां फलस्तीनी लोग सुरक्षित सीमाओं में रह सकें। हमारे सामूहिक प्रयासों को इसे साकार करने पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी होगा।

विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया इस समय असमानता और वर्चस्व के बीच जूझ रही है। विश्व में अब एक नहीं, बहुध्रुवीय व्यवस्था की जरूरत है जिसके मूल में पुनर्गठित संयुक्त राष्ट्र होना चाहिए। जयशंकर ने वसुधैव कुटंबकम यानी दुनिया को एक परिवार मानने वाले भारत के प्राचीन विश्वास को भी प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि 2019 में बाकू में हुए नाम की बैठक के बाद से दुनिया बहुत बदल गई है। कोविड महामारी ने हम सभी को तबाह कर दिया है जिसके घाव भरने में अनेक पीढ़ियां लग जाएंगी।

विदेश मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की स्थिति तेजी से खराब हो रही है। कर्ज, मुद्रास्फीति और विकास की चुनौतियों की

तिकड़ी भी विकास पर भारी पड़ती है। इन गंभीर चिंताओं को ध्यान में रखते हुए जयशंकर ने कहा कि यह उस दुनिया की प्रकृति है जिसका हम सामना करते हैं। शिखर सम्मेलन से इतर जयशंकर ने नेपाल के पीएम पुष्प कुमार दहल उर्फ प्रचंड से भी मुलाकात की है। उन्होंने बोलीविया, अजरबैजान और वेनेजुएला के अपने समकक्षों के साथ भी बैठकें करके वैश्विक और क्षेत्रीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा की।

फरीदाबाद-गुरुग्राम जिला में 50 एकड़ जमीन में साइंस सिटी बनाएगी हरियाणा सरकार : मनोहर लाल

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्प है। नए वैज्ञानिक शोध नवाचार को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा सरकार फरीदाबाद या गुरुग्राम जिला में से एक में 50 एकड़ में साइंस सिटी की स्थापना करेगी। इसके लिए जमीन की तलाश की जा रही है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल शनिवार को थिस्टी बायोटेक संस्थान में 9 वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल, परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा, पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली, राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा, विधायक सीमा त्रिखा, विधायक नरेंद्र गुप्ता,विधायक राजेश नागर, विधायक जगदीश नायर, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार राजीव जेटली मीडिया, कोऑर्डिनेटर मुकेश वशिष्ठ, भाजपा जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा, अजय गोड, गोपाल शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उन्होंने कहा आज इस 9वें विज्ञान महोत्सव की मेजबानी करने का अवसर हरियाणा को मिला है। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि विज्ञान महोत्सव में छात्र, शिक्षक, शोधकर्ता, वैज्ञानिक, उद्यमी, शिक्षाविद, स्टार्टअप तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भागीदारी की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2047 तक भारत को एक गौरवशाली, वैभवशाली,

शक्तिशाली, समृद्ध व आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया हुआ है। इस संकल्प को पूरा करने में विज्ञान एवम प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। उन्होंने विज्ञान को प्रयोगशाला से बाहर निकालकर जमीनी स्तर तक पहुंचने के तरीकों को ढूंढने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि आज कई राष्ट्रीय मिशन जैसे कि स्पेस मिशन, नेशनल सुपर कंप्यूटिंग,सेमीकंडक्टर, मिशन, हाइड्रोजन, ड्रोन टेक्नोलॉजी, डिजिटल वर्चुअल सिस्टम, ऊर्जा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, उद्योग, कृषि आदि ऐसे कई मिशन पर तेजी से काम चल रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि विज्ञान की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए हर जिले के 10 राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान क्लबों की स्थापना की जा रही है। ये विज्ञान क्लब युवा छात्रों के बीच वैज्ञानिक सोच एवं जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मेधावी छात्रों की विज्ञान में रुचि को बढ़ाने के लिए एक्सपोज़ विजिट आयोजित की जाती हैं। इनमें छात्रों को देश में स्थित विभिन्न विज्ञान केन्द्रों व साइंस सिटी में ले जाकर उन्हें विज्ञान के अनुसंधानों से परिचित कराया जाता है। प्रदेश के मेधावी वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें हरियाणा विज्ञान रत्न और युवा विज्ञान रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। गत वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आयोजित समारोह में वर्ष 2019, 2020 व 2021 के लिए 11 वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया था। %हरियाणा विज्ञान रत्न% पुरस्कार की राशि को 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 4 लाख रुपये किया गया है। प्रदेश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की शिक्षा एवं अनुसंधान के लिए अलग से 6 सरकारी विश्वविद्यालय स्थापित किये गये हैं। अन्य विश्वविद्यालयों में भी विज्ञान की शिक्षा प्रदान की जा रही है। इस अवसर पर प्रदेश के उच्चतर शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में बडखल से विधायक सीमा त्रिखा, फरीदाबाद से विधायक नरेंद्र गुप्ता सहित कई गणमान्य तथा बड़ी संख्या में स्कॉलर व छात्र उपस्थित थे।

प्रभु श्रीराम की कृपा से आज पूरा विश्व राममय हो रहा है : राजेश नागर

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। विधायक राजेश नागर ने कहा है कि आज पूरा विश्व राममय हो रहा है। यह श्रीराम का आशीर्वाद है कि हमें आज ऐसा कुशल नेतृत्व मिला है जिसकी आवाज आज दुनिया सुन रही है। वह आज तिगांव विधानसभा क्षेत्र के गांव रायपुर में लाखों की लागत से बनने वाली सडक़ का निर्माण शुरू करवाने के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अब जबकि श्री रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होने में केवल एक दिन बीच में है, हम देख रहे हैं कि पूरी दुनिया का भारत के प्रति रुख सकारात्मक हो रहा है। ब्रिटेन की संसद में राम नाम का जप किया गया है। वहीं मॉरीशस सरकार ने इस निमित्त दो घंटे का अवकाश कर्मचारियों को देने की घोषणा की है। अमेरिका की संसद और टाइम स्क्वेयर बिल्डिंग पर श्रीराम मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम लाइव होने जा रहा है। यह हम सभी भारतवासियों के लिए गर्व के क्षण हैं और इस क्षण का नेतृत्व पीएम नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। उन्होंने सभी से कहा कि वह 22 जनवरी को अपने घर, दफ्तर और दुकानों में दीपक जलाएं और लड्डियां लगाएं। हम सभी को इस पर्व को दीवाली के रूप में मनाएं। विधायक राजेश नागर ने बताया कि आज उन्होंने रायपुर से खेड़ी बेगमपुर और फत्तूपुरा से ताजूपुर जाने वाली सडक़ों के निर्माण का कार्य शुरू करवाया है। इन पर लाखों रुपयों की लागत आएगी। उन्होंने कहा कि हमारी विधानसभा में 4.52

करोड़ रुपये की खेत खलिहान ग्रांट आ चुकी है जिससे निर्माण कार्य और तेज हुए हैं। इसी ग्रांट में इतना ही पैसा और आ रहा है। जिससे अन्य बची सडक़ों का निर्माण भी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रुपयों की लागत से विकास कार्य हो रहे हैं। जिसका पूरा श्रेय मुख्यमंत्री मनोहर लाल को जाता है। सीएम हमारे क्षेत्र को दिल खोलकर ग्रांट दे रहे हैं। वहीं अन्य क्षेत्रों में भी तिगांव विधानसभा बड़ी तरक्की कर रहा है। नागर ने स्थानीय बुजुर्गों से नारियल फुड़वाकर निर्माण कार्य शुरू करवाया और सुख दुख में हमेशा ही साथ खड़े रहने की बात कही। इस अवसर पर धर्मसिंह सरपंच, सुशील सरपंच, रंजीत सिंह, वीरपाल, हरवंशी, सुरेन्द्र सिंह, जनरल सिंह, फौजदार सिंह, प्रकाश, हरीराज आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

राजकुमार वोहरा एक सुलझे हुए नेक इंसान, 22 को अवश्य मनाएं रामोत्सव : दीपक यादव

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। भाजपा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा से शुक्रवार को विद्यासागर इंटरनेशनल के निदेशक दीपक यादव ने मुलकात की। यह मुलाकात एक औपचारिकता पूर्ण मुलाकात थी। इस मौके पर पूर्व जिलाधक्ष गोपाल शर्मा, युवा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कुशल ठाकुर, जिला कार्यकारिणी सदस्य मनोज भाटी भी उपस्थित रहें। इस संदर्भ में विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक दीपक यादव ने कहा कि भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार से शुक्रवार को भाजपा अटल कार्यालय पर पहुंचकर मुलाकात थीं। इस दौरान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष गोपाल शर्मा भी मौजूद रहें। वहीं राजकुमार वोहरा ने 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले रामोत्सव को दीपोत्सव के रूप में बेहतर तरीके से मनाने की बात कहीं। इस कड़ी में गोपाल शर्मा ने कहा कि राम लला आ रहे है हम सभी को इस दिन को पर्व के रुप में मनाना चाहिए। इस मुलाकात को लेकर विद्यासागर के निदेशक दीपक यादव ने कहा कि जिलाध्यक्ष वोहरा से मुलाकात कर उन्हें काफी अच्छा लगा, क्योंकि एक सकारात्मक और सुलझे व्यक्ति से विशेष अनुभव के साथ-साथ एक अच्छा साथ मिलता है।

इसके अलावा दीपक यादव ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि आगामी 22 जनवरी के दिन को बिलकुल भी खाली न जाने दें। अपने घर के अलावा आसपास के मंदिर में जाकर इस उत्सव को अवश्य मनाएं और दीपोत्सव के इस पर्व को धूमधाम और यादगार तरीके से मनाएं।

अमृता अस्पताल में हुई उत्तर भारत की पहली हाथ प्रत्यारोपण सर्जरी

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। अमृता हॉस्पिटल, फरीदाबाद में दो मरीज़ों में सफलतापूर्वक हाथ-प्रत्यारोपण किया गया है, जिनमें से एक रोगी 64 वर्ष का है और दूसरा 19 वर्ष का है। उत्तर भारत में पहली बार ऐसी सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया है। गौरतलब है कि भारत में ऐसा पहला मामला है और दुनिया भर ऐसा दूसरा मामला है, जहां किडनी-प्रत्यारोपण कराने वाले व्यक्ति में हाथ प्रत्यारोपण किया गया है। दोनों में जटिल हाथ-प्रत्यारोपण सर्जरी लगभग 17 घंटे तक चली और ये सर्जरी दिसंबर 2023 के अंतिम सप्ताह में की गई। दिल्ली के रहने वाले 64 वर्षीय मरीज गौतम तायल का 10 साल पहले किडनी प्रत्यारोपण हुआ था, जिसके कारण वह पहले से ही इम्यूनोसप्रेसेन्ट पर थे। लगभग दो साल पहले, एक कारखाने में

एक औद्योगिक दुर्घटना में उन्होंने बायें हाथ की कलाई के आगे के हिस्से को खो दिया था। प्रत्यारोपण में जो हाथ प्रत्यारोपित किया गया वह एक 40 वर्षीय व्यक्ति का था जिसे सिर में चोट लगने के कारण ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया था। उसकी मृत्यु के तुरंत बाद मृत व्यक्ति का परिवार उदारतापूर्वक उसके हाथों सहित उसके विभिन्न अंगों को दान करने के लिए सहमत हो गया। दान किया गया हाथ मुंबई के पास ठाणे से फरीदाबाद ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तुरंत हाथ को प्रत्यारोपित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। अमृता हॉस्पिटल, फरीदाबाद में सेंटर फॉर प्लास्टिक एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के प्रमुख डॉ. मोहित शर्मा ने कहा, ''यह न केवल उत्तर भारत का पहला हाथ प्रत्यारोपण है, बल्कि देश में किडनी प्रत्यारोपण के मरीज पर किया गया पहला हाथ प्रत्यारोपण है। चिकित्सा विज्ञान में यह एक बहुत ही दुर्लभ और रोमांचक उपलब्धि है। दोनों हाथों का मिलान करने के लिए हमें दो हड्डियों, दो धमनियों, 25 टेंडन और 5 नर्व्स को जोडऩा पड़ा। मरीज अब रोजमर्रा के काम करने में अपने प्रत्यारोपित हाथ का उपयोग करने में सक्षम है। उन्हें एक सप्ताह के भीतर छुट्टी दे दी जाएगी।दूसरा हाथ प्रत्यारोपण दिल्ली के रहने वाले 19 वर्षीय युवक देवांश गुप्ता का किया गया। तीन साल पहले एक ट्रेन दुर्घटना में उन्होंने दोनों हाथों और घुटने के नीचे दाहिना पैर खो दिया था। उन्हें जो दोनों हाथ प्रत्यारोपित किये गए

निगम कर्मचारियों ने केंद्रीय राज्यमंत्री के कार्यालय पर किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। फरीदाबाद। पालिकाओं, परिषदों, नगर निगमो एवं फायर के कर्मचारियों की मांगों का समाधान एवं गुरुग्राम के 3480 सफाई कर्मचारियों को ड्यूटी पर लेने तथा आंदोलन कार्यक्रम कार्यों के खिलाफ की गई उत्पीडऩ आत्मक कार्यवाहियों को समाप्त करने की मांग को लेकर आज नगर निगम के सैकड़ो कर्मचारियों ने आज फरीदाबाद के सांसद एव भारत सरकार के राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर के सेक्टर 29 स्थित कार्यालय पर किया जोरदार प्रदर्शन कार्यालय पर उपस्थित उनके पुत्र नगर निगम के पूर्व वरिष्ठ उपमहापौर देवेंद्र चौधरी को सौंपा ज्ञापन देवेंद्र चौधरी ने यूनियन नेताओं को जल्द केंद्रीय मंत्री से बैठक करवाने का दिया आश्वासन। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों का नेतृत्व नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री, राज्य सचिव अनूप वाल्मीकि, महिला सब कमेटी की राज्य नेता ललित व सुरेश देवी, नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला कमेटी के कार्यकारी प्रधान सुदेश कुमार व नगर निगम सफाई कर्मचारी यूनियन के

प्रधान गुरचरण खडिया ने किया। विगत कल इन कर्मचारियों ने हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री बल्लमगढ़ के विधायक मूलचंद शर्मा के दो सेक्टर स्थित कार्यालय पर प्रदर्शन कर उनके बड़े भाई टिपर चंद शर्मा को भी ज्ञापन देकर हरियाणा सरकार से कर्मचारियों की मांगों का समाधान करने की अपील की थी। अब ये कर्मचारी 23 जनवरी से 28 जनवरी तक सभी विधायकों के आवासों पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपेंगे। इसके बाद सर्व कर्मचारी संघ, हरियाणा द्वारा 4 को रोहतक में की जाने वाली विशाल कर्मचारी आक्रोश रैली भारी संख्या में शामिल होकर सरकार के सामने अपना गुस्सा प्रकट करेंगे यदि सरकार ने 3 फरवरी तक मांगों का समाधान नही किया तो बड़े आंदोलन का ऐलान करेगा सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा। नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने सरकार पर सफाई कर्मचारी एवं दलित विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने प्रदेश भर में लगभग 5000 सफाई कर्मचारियों की छटनी गैर कानूनी ढंग से की है जिसमें गुरुग्राम के 3480 सफाई कर्मचारी भी शामिल है। शास्त्री ने कहा कि सरकार ने यदि छटनी ग्रस्त कर्मचारियों को ड्यूटी पर नहीं लिया एवं पूर्व में हुए समझोतो को लागू करने सहित गुरुग्राम के कर्मचारियों पर दर्ज झूठे मुकदमे, उत्पीडऩ की कार्रवाई वापस लेने, सभी भत्तो सहित समान काम समान वेतन देने, क्षेत्रफल आबादी के अनुपात में सफाई कर्मचारी सीवर मेन एवं अन्य तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के पद सरजीत कर नियमित भर्ती करने, अनुबंधित, हरियाणा कौशल रोजगार निगम, वर्कआउट सोर्स एवं अन्य सभी प्रकार के कच्चे सफाई कर्मचारियो को पक्का करने, पुरानी पेंशन बहाल करने, फायर की भर्ती पर रोक लगाने, सिर्जित पदों पर फायर के कच्चे कर्मचारियों को समायोजित करने, वर्दी भत्ते में किए गए भेदभाव

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक दिनेश शर्मा द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से मुद्रित करवाकर मुख्य कार्यालय 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से प्रकाशित किया।
पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्यायक्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। फोन : 011-26386221 मो. : 9810635211 DCP Licencing No. F.2 (F-10) Press/2017 RNI No. - DELHIN/2017/76338